राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

किस डाइट और एक्सरसाइज...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

सोमवार, 03 अक्टूबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 284 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

महात्मा गांधी को उनकी 152 वी जयंती पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने राजघाट जाकर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। देश आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की उनकी 152 वी जयंती पर याद कर रहा है। देश के तमाम लोग उन्हें अपना श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहे हैं। गुजरात के पोरबंदर में 2 अक्टूबर 1869 को महात्मा गांधी का जन्म हुआ था। महात्मा गांधी के जन्मदिन को वैश्विक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। महात्मा गांधी ने अंग्रेजी हुकूमत से भारत को आजाद कराने में अग्रिम भूमिका निभाई थी। उन्होंने पूरी दुनिया को शांति का संदेश दिया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बापू की समाधि

स्थल राजघाट पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने संदेश में लिखा कि गांधी जयंती हम सभी के लिए शांति, समता, सांप्रदायिक सद्भाव के गांधी जी के प्रेरक जीवन मूल्यों के प्रति स्वयं को फिर से समर्पित करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने पूरी मानवता को उसकी वास्तविक क्षमता दिखाई और यह सिद्ध कर दिखाया कि करुणा में अपार शक्ति होती है उपराष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी एक ट्वीट में धनखड़ ने कहा, ''राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी जयंती पर मैं श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। आधुनिक भारत की सर्वाधिक प्रभावशाली विभूतियों में से एक, महात्मा गांधी, आज भी आहत मानवता के लिए नैतिकता का प्रामाणिक मानदंड तथा उम्मीद की किरण हैं। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा, ''विद्वेष से भरे आज के विश्व में, गांधी जी की यह वाणी कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, मानवता का मार्गदर्शन करती है।

मैं नकली गांधी की बात क्यों करूं, बसवराज बोम्मई बोले– कर्नाटक कांग्रेस के लिए एटीएम था, जो अब चला गया

बंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस और भाजपा के बीच लगातार जुबानी जंग जारी है। गांधी जयंती के अवसर पर भी दोनों पार्टी के बीच जुबानी जंग देखने को मिली। इस वक्त एक ओर जहां कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई थे तो वहीं दूसरी ओर कर्नाटक कांग्रेस के प्रमुख डीके शिवकुमार थे। सबसे पहले हम आपको यह बताते हैं कि आखिर कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने क्या कहा। इसके बाद से कांग्रेस की ओर से पलटवार किया गया। बसवराज बोम्मई ने कहा कि आज गांधी जयंती है, मैं नकली गांधी की बात क्यों करूं?

उन्होंने तंज करते हुए कहा कि राहुल गांधी, सोनिया गांधी और डीके शिवकुमार पूरी कांग्रेस पार्टी जमानत पर बाहर हैं। कर्नाटक राज्य कांग्रेस पार्टी के लिए एटीएम था, जो अब चला गया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री के इस आरोप का डीके शिवकुमार की ओर से पलटवार किया गया है। उन्होंने कहा कि हां, मैं जमानत पर हूं। सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी जमानत हैं। पर उनके (भाजपा) दर्जनों हैं जो जमानत पर हैं। येदियुरप्पा के खिलाफ कोई मामला नहीं? बोम्मई ने मेरे खिलाफ मामले दर्ज किए। वह मुझे परप्पन अग्रहारा (सेंट्रल जेल) भेज दें, मैं थोड़ा आराम करूंगा। आपको बता दें कि फिलहाल कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा कर्नाटक में है। कर्नाटक में राहुल गांधी इस वक्त भाजपा पर जबरदस्त तरीके से हमलावर हैं। कर्नाटक में कांग्रेस लगातार भाजपा पर 40: कमीशन वाली सरकार होने का आरोप लगा रही है। कांग्रेस की ओर से दावा किया जा रहा है कि कर्नाटक में भ्रष्टाचार बढ़ गया है। सरकार हर मामले में 40: कमीशन ले रही है। इससे पहले राहुल गांधी ने कहा था कि कर्नाटक कॉन्ट्रैक्ट एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा कि कर्नाटक में 40: कमीशन की चोरी हो रही है। च्ड ने कोई कार्रवाई नहीं की। 13,000 स्कूल एसोसिएशन से लिया गया 40: कमीशन पर न तो पीएम ने और न ही सीएम ने कोई कार्रवाई की।

बिहार के मंत्री सुधाकर सिंह का इस्तीफा

नीतीश सरकार के कामकाज पर उठाए थे सवाल, दिया था चोरों के सरदार वाला बयान

पटना। बिहार के कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने आज इस्तीफा दे दिया है। सुधाकर सिंह राजद कोटे से बिहार सरकार में मंत्री थे। सुधाकर सिंह बिहार जिला राजद के वरिष्ठ नेता और उसके अध्यक्ष जगदानंद सिंह के बेटे हैं। बताया जा रहा है कि सुधार कर सिंह ने अपना इस्तीफा तेजस्वी यादव को सौंप दिया है। बेटे सुधाकर सिंह के इस्तीफे की खबर पर जगदानंद सिंह ने कहा कि किसी को किसानों और उनके साथ हो रहे अन्याय के लिए खड़े होने की जरूरत है। कृषि मंत्री ने इसे उठाया। मंडी कानून की हत्या (कृषि उत्पाद विपणन समिति अधिनियम) ने राज्य के किसानों को तबाह कर दिया है। सुधाकर सिंह लगातार नीतीश सरकार की आलोचना कर रहे थे। 2 माह के भीतर बिहार सरकार के दूसरे मंत्री ने इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले राजद कोटे से कार्तिकेय सिंह ने भी इस्तीफा दे दिया था।

उनके इस्तीफे को लेकर इस बात की भी चर्चा हो रही है कि उन्होंने अपना इस्तीफा तेजस्वी यादव को भेजा ना कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को। इसके पीछे सुधाकर सिंह की नीतीश कुमार से नाराजगी भी मानी जा रही है। सुधाकर सिंह इस बात को कई बार दोहरा चुके हैं कि उनके नेता लालू यादव और तेजस्वी यादव हैं। उनकी वजह से ही वह बिहार में मंत्री बने हैं। उनके नेता नीतीश कुमार नहीं हैं। मंत्री पद में शामिल होने के साथ ही सुधाकर सिंह विवादों में आ गए थे। भाजपा ने उन पर कई बड़े आरोप भी लगा दिए थे। इसके साथ ही सुधाकर सिंह ने एक विवादित बयान देते हुए खुद को चोरों का सरदार भी बता दिया था। अपने बयान में सुधाकर सिंह ने कहा था कि हमारे (कृषि) विभाग में कोई ऐसा नहीं है जो चोरी नहीं करता हो और हम उन चोरों के सरदार हैं। मेरे ऊपर और भी कई लोग हैं.. सरकार नई तो बन गई है लेकिन ये सरकार है वही पुरानी और इसके चाल चलन भी पुराने हैं। इसके बाद उनकी इस बयान की खूब चर्चा हुई थी। नीतीश कुमार ने कैबिनेट की बैठक में उनसे उनके इस बयान पर जवाब मांगा। सुधाकर सिंह उठकर वहां से चल दिए थे। सूत्रों ने बताया कि 17 सालों में नीतीश कुमार को किसी ने इस तरीके से जवाब नहीं दिया था। इसके बाद लगातार नीतीश कुमार कृषि सुधार को लेकर सुधाकर सिंह से रिपोर्ट मांगते रहे। दूसरी ओर सुधाकर सिंह ने नीतीश कुमार के मंडी व्यवस्था को खत्म करने का विरोध जता रहा थे।

हेलो की जगह अब वंदे मातरम बोलेंगे सरकारी अधिकारी

इस राज्य ने जारी किया बड़ा आदेश

मुंबई। महाराष्ट्र के शिंदे फडणवीस सरकार ने बड़ा आदेश जारी किया है। नए आदेश के मुताबिक अब सरकारी अधिकारी हेलो की जगह वंदे मातरम बोल कर अभिवादन करेंगे। यानि कि जब भी आप महाराष्ट्र सरकार के अधिकारियों को फोन करेंगे तो वह हेलो की जगह आपको वंदेमातरम कहते सुनाई देंगे। इसके लिए सरकारी आदेश भी जारी कर दिया गया है। इससे पहले महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने सरकारी अधिकारियों को फोन कॉल पर हेलो की जगह वंदे मातरम बोलने का आदेश दिया था। कुल मिलाकर देखें तो जब से महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार बनी है तब से लगातार कई बड़े निर्णय लिए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र सरकार का यह आदेश अधिकारियों के लिए सभी मोबाइल फोनों और लैंडलाइन फोनों पर लागू होगा। अपने डेली रूटीन में भी अधिकारी एक–दूसरे को वंदे मातरम से ही संबोधित करेंगे। इसको लेकर महाराष्ट्र सरकार में मंत्री दीपक केसरकर ने कहा कि वंदे मात्रा में एक ऐसा मंत्र है जिसने अंग्रेजो के खिलाफ देश को स्वतंत्र कराने में बड़ी भूमिका निभाई है। पूरे भारतवर्ष में सभी सरकारें और आम लोग इस बात को स्वीकार करते हैं। मुझे लगता है कि एक दूसरे को वंदे मातरम कहकर संबोधित करना कोई बुरी चीज नहीं है। इसके साथ ही महाराष्ट्र सरकार के मंत्री ने यह भी कहा कि जिनके मन में वंदे मातरम को लेकर गलतफहमी है, उन्हें भी हम समझा बुझा लेंगे। महाराष्ट्र सरकार ने अपने आदेश में यह भी कहा है कि अधिकारी उनसे मिलने आने वाले लोगों को भी वंदे मातरम से अभिवादन करें। साथ ही साथ इसके लिए जागरूकता भी फैलाएं।

हालांकि, महाराष्ट्र सरकार के इस आदेश पर राजनीति भी शुरू हो गई है। एआईएमआईएम के नेता वारिस पठान ने इस को लेकर सवाल उठाए हैं और कहा है कि यह सब सिर्फ बेरोजगारी, महंगाई से ध्यान भटकाने के लिए नाटक किया जा रहा है। उन्होंने सवाल पूछा कि मान लो किसी ने वंदेमातरम नहीं बोला तो क्या करेंगे, उस पर केस करेंगे, या फांसी दे देंगे यह भाजपा सरकार को बताना पड़ेगा। समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने कहा कि वंदे मातरम पर सरकार के फैसले का वह विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे हिंदू मुस्लिमों के बीच दरार पैदा होगा। आजमी ने दावा किया कि बाला साहब ठाकरे ने हमेशा जय महाराष्ट्र बोला था और आज उनके विचारों पर चलने का दावा करने वाले एकनाथ शिंदे यह सब भूल गए हैं। आजमी ने दावा किया कि एक सच्चा मुसलमान कभी भी वंदेमातरम नहीं बोलेगा।

ओडिशा में मुख्यमंत्री की तुलना भगवान जगन्नाथ से करने पर विवाद

भुवनेश्वर। ओडिशा के एक मंत्री ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की तुलना भगवान जगन्नाथ से कर विवाद खड़ा कर दिया है। राज्य के उद्योग मंत्री पी के देब के इस बयान के कारण पूरे प्रदेश

में हंगामा मच गया है और विपक्षी दलों ने मंत्री से बिना शर्त माफी की मांग की है। पी के देब ने बीजू जनता दल (बीजद) की एक बैठक के दौरान शुक्रवार को कहा था कि ओडिशा अब नवीन पटनायक के नाम से जाना जाता है, पहले यह भगवान जगन्नाथ के लिए जाना जाता था। मंत्री ने कहा, ''एक समय था जब लोग भगवान जगन्नाथ के कारण ओडिशा को जानते थे। लेकिन अब, यदि आप कहते हैं कि आप ओडिशा से आते हैं, तो पूरे भारत में लोग तुरंत राज्य को मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के स्थान के रूप में पहचान लेंगे।'' पी के देब की इस टिप्पणी की विभिन्न विपक्षी दलों और धार्मिक संगठनों ने कड़ी निंदा की है।

पुलिस हिरासत से फरार गैंगस्टर टीनू, मूसेवाला केस में होनी थी पूछताछ, लॉरेंस बिश्नोई का है करीबी, भाजपा ने मान सरकार पर उठाए सवाल

चंडीगढ़। पंजाबी गायक के सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का आरोपी दीपक टीनू एक बार फिर से पुलिस हिरासत से फरार हो गया है। यह चौथा मौका है जब दीपक टीनू पुलिस को चकमा देने में कामयाब रहा है और पुलिस हिरासत से फरार हुआ है। दीपक टीनू लॉरेंस बिश्नोई गैंग का गुर्गा है। इसे गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का काफी करीबी भी माना जाता है। दीपक टीनू से सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस में पूछताछ की जानी थी। पूछताछ के लिए रिमांड पर पुलिस लेकर इसे जा रही थी। दीपक टीनू इस समय कपूरथला जेल में बंद था। हालांकि, अब वह पुलिस हिरासत से फरार हो गया है। फिलहाल उसकी तलाशी अभियान शुरू कर दी गई है बताया जा रहा है कि दूसरी ओर भाजपा ने जबरदस्त तरीके से भगवंत मान की सरकार पर निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने ट्वीट कर लिखा कि प्रॉक्सी सीएम भगवंत मान के लिए 42 कार काफिला, आप के वीवीआईपी नेताओं के लिए सुरक्षा लेकिन बिश्नोई गिरोह के सहयोगी दीपक टीनू – जिनकी मूसेवाला हत्या में प्रमुख

भूमिका थी, पंजाब पुलिस की हिरासत से फरार हो गया! उन्होंने आरोप लगाया कि आप गिरोहों पर कार्रवाई सुनिश्चित नहीं कर रहे है बल्कि उनकी मदद कर रही है! क्या हमें और सबूत चाहिए? माना जा रहा है कि दीपक टीनू के पास सिद्दू मूसेवाला मर्डर केस में कई बड़े रहस्य छिपे हैं। घटना शनिवार की रात की है। मनसा के सीआईए इंचार्ज अपनी प्राइवेट गाड़ी से गैंगस्टर दीपक तीनों को मंशा लेकर जा रहे थे तभी वह मौका देखकर फरार हो गया। दीपक टीनू 2017 से जेल में बंद था। इस घटना के बारे में पूछे जाने पर पटियाला रेंज के महानिरीक्षक (आईजी) मुखविंदर सिंह छिना ने पीटीआई–से फोन पर कहा, "पुलिस की टीम प्रयास कर रही है और हम उसे जल्द ही पकड़ लेंगे। छिना के पास वर्तमान में बठिंडा रेंज के महानिरीक्षक का भी अतिरिक्त प्रभार है। पंजाब के मानसा जिले में 29 मई को मूसेवाला के नाम से मशहूर पंजाबी गायक शुभदीप सिंह सिद्धू की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मूसेवाला की हत्या के बाद बिश्नोई गिरोह के सदस्य गोल्डी बराड़ ने हत्या की जिम्मेदारी ली थी।टीनू उन 24 आरोपियों में शामिल है, जिनके खिलाफ हत्या के इस मामले में आरोप–पत्र दाखिल किया गया है।

हुड्डा, सैयद नासिर हुसैन, गौरव वल्लभ का प्रवक्ता पद से इस्तीफा, करेंगे खड़गे का प्रचार, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव पर जोर

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर जारी चर्चाओं के बीच पार्टी के 3 प्रवक्ताओं ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जिन तीन प्रवक्ताओं ने अपना इस्तीफा दिया है उनमें दीपेंद्र हुड्डा, सैयद नासिर हुसैन और गौरव वल्लभ का नाम शामिल है। इस बात की जानकारी देते हुए गौरव वल्लभ ने कहा कि हम तीनो कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे का प्रचार करेंगे। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हो। इस मौके पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि जिस दिन मैंने अपना नामांकन दाखिल किया, मैंने उदयपुर में लिए गए पार्टी के श्एक व्यक्ति एक पदश के फैसले के अनुरूप अपने पद से इस्तीफा दे दिया। मैं आज आधिकारिक तौर पर कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष पद के लिए अपना अभियान शुरू करता हूं। खड़गे

ने अपने बयान में कहा कि देश में बेरोजगारी, महंगाई है, अमीर और अमीर हो रहा है जबकि गरीब और गरीब होता जा रहा है, आठ वर्षों में भाजपा ने एक भी वादा नहीं निभाया। उन्होंने कहा कि मैं गांधी परिवार और कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ विचार–विमर्श करूंगा तथा उस पर अमल भी करूंगा। उन्होंने इस धारणा को भी खारिज कर दिया कि उन्हें गांधी परिवार का समर्थन हासिल है। खड़गे ने दावा किया कि वह इस चुनाव में किसी के विरोध में नहीं, बल्कि पार्टी को मजबूत करने के लिए उतरे हैं। आपको बता दें कि खड़गे के खिलाफ पार्टी के वरिष्ठ नेता शशि थरूर चुनाव मैदान में हैं। यदि पार्टी के इन दोनों नेताओं में से कोई भी एक अपना नामांकन वापस नहीं लेते हैं तो 17 अक्टूबर को मतदान होगा, जिसमें 9,000 से अधिक डेलीगेट (निर्वाचक मंडल के सदस्य) मतदान करेंगे। मतगणना 19 अक्टूबर को होगी।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वृद्धाश्रम में हुआ विशाल कार्यक्रम

गोण्डा। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वृद्धाश्रम में विशाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीपप्रज्वलन कर, करते हुये मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ध न्यायाधीश विश्वजीत ने न्यायपालिका द्वारा पीड़ित बुजुर्गजनों के लिये लागू कानून की जानकारी साझा की गयी। इस अवसर पर सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंड्री स्कूल के छात्र छात्राओं और शिक्षकों ने गणेश वंदना,भजन,राम स्तुति,नवदुर्गा स्वरूपों के दर्शन ,नृत्य समेत अन्य संगीतमय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। समारोह में लायंसक्लब(अवध) ने 53 बुजुर्गों को चश्में वितरित किये।जबकि आश्रम की ओर से सभी बुजुर्गजनोंको वस्त्र,फल,मिष्ठान व अन्य सामग्रियां बांटी गयी। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जादूगर जगदीश भारती ने अपनी मनमोहक कला का प्रदर्शन किया। सभी बच्चों के प्रोगाम से प्रभावित होकर जहां मेहरोत्रा और एक सेवा क्लब की संस्थापक साक्षी अरोड़ा ने नगद पुरस्कार दिया। समारोह में सदैव आश्रम में उत्कृष्ट सेवा देने वाले जगदीश भारती,सेंट जेवियर्स स्कूल के ग्रुप ,लायंस क्लब,रोटरी क्लब,एक सेवा संस्थान और समाजसेवी संदीप मेहरोत्रा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन कर रहे पत्रकार अंकुर गर्ग ने सरकार द्वारा बुजुर्गों के हितों केलिये सरकार द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 14567 के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की गयी। इस मौके पर शिव समाज सेवा समिति के अध्यक्ष डा. नाथूराम,जिला सूचना अधिकारी संजय कुमार ,चित्रांश कल्याण परिषद के अध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव,अतुल श्रीवास्तव,समाजसेवी के बी सिंह ,रेडक्रास सोसाइटी के उप चेयरमैन डा.शेरबहादुर सिंह,मनों चिकित्सक डा.नूपुर पॉल,लायंस क्लब के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, दिलीप सिंह,रमेश चंद्र श्रीवास्तव,आश्रम के सहयोगी संतोष प्रताप सिंह,अमर दीक्षित ,अंकुर सिंह समेत कई स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

भारतीय मूल के बिजनेसमैन सुशील मिश्रा को अमेरिका में मिला अवार्ड..

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के ऊंचे झंझरी गांव निवासी वतन से दूर रहकर अमेरिका के लॉजिस्टिक्स कैलिफोर्निया शहर में अपने पिता के नाम से (रंगुलाल कैरियर इंक ट्रेकिंग कंपनी) के एमडी बिजनेसमैन सुशील मिश्रा ने भारतीय प्रतिभा एक बार फिर अमेरिका में अपना डंका बजाया है।भारतीय मूल के निवासी को एक प्रतिष्ठित अमेरिकी मार्केटिंग डायरेक्टर डेविड कैर्रोल द्वारा कॉरपोरेट अवॉर्ड प्रदान किया गया है। रंगुलाल कैरियर इंक ट्रेकिंग कंपनी के एमड़ी सुशील मिश्रा को अमेरिका की सबसे बड़ी नेटवर्क मार्केटिंग कंपनी पीएफए के डायरेक्टर ने सबसे बड़े सम्मान से नवाजा है. यह सम्मान उनके द्वारा सुशील मिश्रा का सफल परिश्रम और लोकप्रियता देखकर प्रभावित हुई है. रंगुलाल कैरियर इंक ट्रेकिंग कंपनी के मंडी सुशील मिश्रा के कामों के कारण दिया गया है. सुशील मिश्रा (30) रंगुलाल कैरियर इंक ट्रेकिंग कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंधक निदेशक है. सुशील मिश्रा अमेरिका में रहकर मार्केटिंग कंपनियों का परिचालन करते हैं. कैनविज टाइम्स की खबर के अनुसार इन लोगों को विभिन्न क्षेत्रों में मसलन स्वास्थ्य सेवा, सामुदायिक सेवा, मानवीय कार्यों के अलावा संस्कृति, धरोहर और पर्यावरण संरक्षण में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया. इस अवार्ड की घोषणा पीएफए नेटवर्किंग बिजनेस के डायरेक्टर ने सुशील मिश्रा के बिजनेस को लगातार बढ़ते हुए देखकर और उनके कार्यों से प्रभावित होकर लगातार दो साल से सुशील मिश्रा को इस अवार्ड से सम्मानित किया गया है. कार्यक्रम का आयोजन अमेरिका के सबसे बड़े होटल कैलिफोर्निया स्टेट के विन होटल लास वेगस शहर में किया गया था। यूपी के गोंडा जिले में हुआ है जन्मः सुशील मिश्रा का जन्म गोंडा में हुआ है. उन्हें यह सम्मान सुशील मिश्रा के बिजनेस और इंडस्ट्री ग्रोथ में उनके योगदान के कारण दिया गया है. अवॉर्ड मिलने के बाद उन्होंने कहा कि यह क्षण गर्व का है और मैं काफी भावुक हो गया हूं. मैं यह अवॉर्ड पाकर काफी खुश हूं। 2013 में पहुंचे थे अमेरिका : उन्होंने कहा कि 12 जून 2013 को मैं आंखों में सपने लिए अमेरिका आया था. मैंने उससे पहले अपनी जिंदगी में कई उतार–चढ़ाव देखे. मै डेविड कैर्रोल की सराहना करते हैं इस काम से सबसे बड़ा योगदान रहा मैं आज जो कुछ हूं इसमें इनका बहुत बड़ा योगदान है. यहां के लोगों से भी मुझे बहुत ज्यादा प्यार और समर्थन मिला है। अमेरिका के सभी स्टेटो में है फैला है कारोबारः अमेरिका के इन सभी राज्यों में मार्केटिंग का कारोबारफैला हुआ है, आलमबाग, अला अलास्का, अर्कांस, कैलिफोर्निया,कोलोराडो, कनेक्टिकट,, डेलावेयर,फ्लोरिडा, जॉर्जिया,वर्जीनिया वाशिंगटन,वेस्ट वर्जीनिया, विस्कॉन्सिन, व्योमिंग, हवाई इडाहो, इलिनॉय,इंडियाना, आयोवा, साउथ डकोटा, टेनेसी टेक्सास, यूटा,वरमोंट,कंसास, केंटकी, लुइसियाना,मेन,मैरीलैंड, मैसाचुसेट्स,मिशिगन मिनेसोटा, मिसिसिपि,मिसौरी,ओक्लाहोमा, ओरेगन,पेंसिल्वेनिया,रोड आइलैंड, दक्षिण कैरोलिना,न्यू मैक्सिको, न्यूयॉर्क,उत्तरी कैरोलिना,नॉर्थडकोटा, ओहियो,मोंटाना,नेब्रास्का,नेवादा, न्यू हैम्पशायर,न्यू जर्सी, कि सभी स्टेटो मैं मार्केटिंग कंपनी काम कर रही है।

डूडा एवं नगर पालिका की मिली भगत से पीएम आवास योजना का बंटाधार

केवल हाउस टैक्स की रसीद पर बिना भौतिक सत्यापन के दिया जा रहा आवास लाभ

गोण्डा। जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) एवं नगर पालिका परिषद गोण्डा की मिली भगत से शासन की महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का बंटाधार हो गया है। जहां एक ओर पात्र गरीब रिश्वत ना दे पाने के कारण इस योजना के लाभ से वंचित रह जाते हैं। वहीं अपात्रों को उनके द्वारा चढ़ावा चढाये जाने के चलते आवास प्रदान करने के लिए दोनों ही विभाग वैकल्पिक रास्ता खोजकर उस रास्ते से अपात्रों को आवास प्रदान करते नजर आ रहे है। प्राप्त समाचार के अनुसार निर्मला पत्नी गिरजेश निवासी महारानीगंज रानीजोत को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का लाभ दिया गया। जबकि इनके नाम भूमि के स्वामित्व का कोई कागजात नहीं है। इन्होंने अपनी जेठानी उर्मिला (जो कि सभासद है) के जरिए नगर पालिका गोण्डा में सेटिंग–गेटिंग करके अपने नाम हाउस टैक्स की रसीद कटवा लिया और उसी के सहारे दूसरे की जमीन पर प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का लाभ लें लिया। मामले की जानकारी होने पर जमीन के असली मालिक ज्ञानदास पुत्र प्राग ने शिकायती पत्र डीएम, एसपी सहित परियोजना अधिकारी डूडा को दिया है। ज्ञानदास ने 13 जनवरी 1992 को गाटा संख्या 170 में से साढ़े छः डिसमिल जमीन भू–स्वामी सुरफुर पुत्र सुखी से बैनामा लिया था ।

उत्तर दिशा में एक कमरा बनाकर रहने लगा। जनपद से स्थानांतरण होने पर ज्ञानदास ने अपना कमरा कुन्नू जैसवाल पुत्र सुन्दर निवासी रानीजोत थाना कोतवाली नगर, गोण्डा को किराए पर दे दिया था। वर्ष 2020 में जब घर लौटा तो देखा कि पश्चिम दिशा में भी एक मकान बन गया है। ज्ञानदास द्वारा विरोध करने पर कुन्नू ने उसे जान से मारने की धमकी दिया और घर खाली करने से इन्कार कर दिया। अब पता चला कि नगर पालिका परिषद, गोण्डा द्वारा सेटिंग–गेटिंग कर बिना भूमि के किसी कागजात के हाउस टैक्स कटवा कर जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) से सेटिंग गेटिंग कर उसी जमीन पर बिना स्थलीय सत्यापन किये कुन्नू के छोटे भाई गिरजेश की पत्नी निर्मला को प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी का लाभ प्रदान कर दिया। इस योजना में ऐसा खेल कोई नया नहीं है। पूर्व में भी संतई पुरवा बड़गांव वार्ड नंबर 04 के लाभार्थी शिवचन्द्र पुत्र कन्हैया को अपात्र होते हुए भी मात्र हाउस टैक्स के आधार पर पैसे लेकर प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी का लाभ नगर पालिका एवं डूडा के अधिकारीध कर्मचारियों की मिली भगत से दिया गया। जिस पर कई समाचार पत्रो ने पूर्व में ष पीएम आवास शहरी में भारी भ्रष्टाचार आया सामने ष नामक शीर्षक से खबर भी प्रकाशित किया था। प्रकरण पर जब परियोजना अधिकारी डूडा मुनेन्द्र सिंह से बात की गई तो उन्होंने कहा कि गलत तरीके से प्राप्त किये गये आवास के लाभार्थियों से रिकवरी होगी। जबकि अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद गोण्डा संजय मिश्रा ने कहा कि दशहरा के बाद देखते हैं। जबकि कर निर्धारण अधिकारी नगर पालिका परिषद गोण्डा अशोक कुमार सरोज ने दो दिन तक अनेकों फोन करने पर भी फोन नहीं उठाया। शायद उन्हें ज्ञात हो चुका है कि नगर पालिका से गलत ढंग से हाउस टैक्स की रसीद काटी गई

जागरूक प्रधान तो गांव का बेहतर काम

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसीपुर/बलरामपुर। गैसड़ी विकासखंड के अंतर्गत ग्रामसभा बिलोहा बनकसिया मैं ग्राम प्रधान ग्राम सचिव ग्राम रोजगार सहित

सभी ने खुली बैठक बुलाकर ग्राम वासियों को शासन की प्रदेश शासन की परियोजनाओं के बारे में बताएं तथा ग्रामीणों की समस्याओं का निदान के लिए हर संभव खड़े रहने का प्रयास कर रहे हैं ग्राम प्रधान प्रतिनिधि संतोष जायसवाल ने कहा कि इस अवसर पर ग्राम प्रधान ने वृक्षारोपण भी किया तथा ग्रामीणों की समस्याओं का निदान करते रहने का आश्वासन भी दिया इस खुली बैठक में महिलाओं की भागीदारी ज्यादा दिखी और लोगों के तमाम कामों का निष्पादन भी कराया गया।

एक 9 वर्षीय बालक का रोटावेटर के चपेट में आने से मौके पर मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

हरैया सतघरवा/बलरामपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के महादेव गांव में शनिवार देर शाम ट्रैक्टर रोटावेटर से खेत जोतते समय ट्रैक्टर पर बैठा एक 9 वर्षीय बालक का रोटावेटर के चपेट में आने से मौके पर मौत हो गई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हरैया थाना क्षेत्र के महादेव निवासी अयोध्या प्रसाद पासवान ने बताया कि उनका पुत्र मृतक गोविंद 9 वर्ष शनिवार समय करीब 5रू00 बजे गांव के कुन्दन उर्फ छोट्टन के ट्रैक्टर पर बैठकर गया था खेत जोतते समय झटके के कारण गोविंद ट्रैक्टर और रोटावेटर के बीच में गिर गया जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई उसने तुरंत डायल 112 पर सूचना दिया मौके पर पीआरबी तथा स्थानीय थाने की पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष हरैया अखिलेश कुमार पांडेय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

शिकायतों का निस्तारण न होने पर डीएम ने जताई नाराजगी

–बीकापुर तहसील में डीएम–एसएसपी ने सुनी फरियाद

बीकापुर–अयोध्या। जनसामान्य की समस्याओं का त्वरितध्समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्येक तहसील में माह के प्रथम एवं तृतीय आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस के क्रम में तहसील बीकापुर में जिलाधिकारी नतीश कुमार की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जनसमस्याओंधशिकायतों को गम्भीरता पूर्वक सुनकर सम्बंधित विभाग के अधिकारियों की समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होंने भूमि विवाद व अवैध कब्जा संबंधी प्रकरणों में उभय पक्षों की उपस्थिति में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने व स्पष्ट आख्या आईजीआरएस पोर्टल पर अपलोड करने तथा सम्पूर्ण समाधान दिवस पंजिका में अंकित करने के निर्देश दिये। उन्होंने जिलाधिकारी व तहसीलदार को सम्पूर्ण समाधान दिवस पंजिका में दर्ज प्रकरणों के निस्तारण की गुणवत्ता की क्रास चेकिंग करने व शिकायतकर्ता से प्रतिपुष्टिध्फीडबैक प्राप्त कर अपने मन्तव्य, निस्तारण की श्रेणीध्टिप्पणी पंजिका इंगित करने के निर्देश दिये। इस दौरान जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस का अवलोकन कर विगत सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त प्रकरणोंधशिकायतों की एक–एक कर निस्तारण की गुणवत्ता की जांच की तथा रेडमली शिकायतकर्ताओं से फोन वार्ता निस्तारण की गुणवत्ता का फीडबैकध प्रतिपुष्टि प्राप्त की। जिलाधिकारी द्वारा शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण न किये जाने पर नाराजगी व्यक्त की गयी तथा तहसीलदार के विरूद्व आरोप पत्र भेजने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने शिकायत पंजिका में दर्ज शिकायतों की गुणवत्ता की जांच उपजिलाधिकारी व तहसीलदार को स्वयं करने के निर्देश दिये तथा शिकायत पंजिका में प्रकरण की संक्षिप्त एवं सारगर्भित विषय वस्तु तथा स्पष्ट आख्या दर्ज करने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रत्येक प्रकरण के निस्तारण का ग्रेडिंग भी करने के निर्देश दिये। शिकायत पंजिका के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा राज बहादुर विश्वकर्मा निवासी चरावां द्वारा पेड़ काटने की अनुमति मांगने सम्बंधी प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न करने व तहसील दिवस के प्रकरण को गम्भीरता से न लेने हेतु वन दरोगा अशोक सिंह यादव को चार्जशीट देने के निर्देश दिये तथा प्रकरण की पुनः आख्या प्राप्त करने के निर्देश दिये। रमना देवी निवासी राम दासपुर मझोली की राशन कार्ड बनाये सम्बंधी प्रकरण में वस्तु स्थिति की जांच किये बिना ही आख्या लगाने पर पूर्ति निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह की विजलेंस जांच कराने तथा पुनः आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशान्त वर्मा, एसडीएम न्यायिक सहित अन्य सम्बंधित विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यायालय के आदेश से कबीर मठ विवाद में आया नया मोड़

अयोध्या। स्वमित्व विवाद क तपिश में झुलस रहे कबीर मठ के विवाद में अब नया मोड़ आ गया है। न्यायालय के आदेश पर स्वामित्व का दावा करने वाले एक पक्ष के मुख्य पक्षकार परीक्षा दास व उनके सहयोगियों के खिलाफ कोतवाली अयोध्या में ध ोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं का अभियोग पंजीकृत किया गया है। यह अभियोग पंजीकृत होने के बाद मामले के आरोपियों की मुश्किले अब बढ़ती नजर आ रही है, वहीं इस मामले में दूसरे पक्ष ने अभियोग पंजीकृत करने का आदेश न्यायालय द्वारा दिये जाने तथा अपराध अभिलेखीय होने के कारण कोई भी प्रतिक्रिया देने से इन्कार किया। जानकारी के मुताबिक इस मामले के शिकायतकर्ता श्री कबीर धर्म मन्दिर सेवा समिति जियनपुर के पूर्व उपमंत्री व कबीरमठ निवासी रामप्रकाश दास है। उन्होंने बताया कि गत 18 जून को उन्होंने जब मन्दिर में परीक्षा दास व धर्मप्रकाश दास से अपने कमरे की बिजली काटे जाने के बारे में पूछा तो परीक्षा दास व धर्मपकाश दास एवं उनके सहयोगियों ने भद्दी–भद्दी गालियां देते हुए मारने–पीटने पर आमदा हो गये और कहा कि यहां से भाग जाओ नहीं तो तुम्हे इसी कमरे में दफन कर देंगे कोई जान भी नहीं पायेगा, अब हम लोग यहां के मुखिया है। उन लोगों की इन बातों से रामप्रकाश दास को शंका होने पर उन्होंने गत 22 जून को डिप्टी रजिस्ट्रार फर्म्स सोसाइटी एवं चिट्स कार्यालय रीडगंज जाकर मठ के पंजीकरण पत्रावली का जब मुआयना किया तो उन्हे विपक्षियों द्वारा उनके साथ छल–कपट व धोखाधड़ी करके उनका कूटरचित फर्जी हस्ताक्षर बनाकर तथा उनका झूठा त्यागपत्र तैयार करके कार्यालय में दाखिल करके उन्हें संस्था के उपमंत्री पद से हटा दिये जाने की जानकारी हुई। श्री दास ने बताया कि विपक्षियों की संस्था के प्रति नियत अच्छी नहीं है और उनका यह कृत संस्था के करोड़ों रूपये की सम्पत्ति को नाजायज ढ़ग से बेचकर भौतिक लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने संस्था की जमीन बिक्री करने का विरोध किया तो विपक्षियों द्वारा उनका त्यागपत्र तैयार करके उन्हे संस्था के महत्वपूर्ण पद से हटा दिया गया। इसके साथ ही जब उन्होंने उसी दिन मठ पंजीकरण पत्रावली का विस्तृत मुल्यांकन कराया तो पता चला कि विपक्षियों द्वारा उनके इस्तीफे व संस्था में रिक्त स्थान की पूर्ति कर लिये जाने के सम्बन्ध में एक झूठा पत्र उपनिबन्धक कार्यालय में दाखिल किया गया और संस्था के संशोधित कार्याकारिणी को तीन सितम्बर वर्ष 2005 को उपनिबन्धक कार्यालय द्वारा पंजीकृत करा लिया गया, जबकि उन्होंने विपक्षियों द्वारा किये गये षडयंत्र व धोखाधड़ी व कूटरचना के सम्बन्ध में अपनी आपत्ति तीन सितम्बर 2005 को प्रातः दस बजे उपनिबन्धक कार्यालय में दाखिल कर दिया गया था। शिकायतकर्ता श्री दास ने बताया कि मामले में आरोपित किये गये परीक्षा दास उर्फ किशन लाल साहू, धर्मप्रकाश दास, मुक्ति शरण दास, अचिन्त दास व विनय शरण दास में से परीक्षा दास, ध र्मप्रकाश दास व मुक्तिशरण दास पूर्व सजायाफ्ता अपराधी है और अपने दोष सिद्ध के विरूद्ध उच्चन्यायालय से जमानत पर छूटे है। उन्होंने बताया कि घटना को लेकर उनके द्वारा थाना स्थानीय पर शिकायत पत्र दिया गया था किन्तु वहां से कार्यवाही न होने के कारण गत एक जुलाई को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को भी रजिस्ट्री डाक के माध्यम से मामले की जानकारी दी गयी थी, किन्तु इस पर भी कोई कार्यवाही न किये जाने पर उनके द्वारा मुख्य न्यायायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में वाद प्रस्तुत किया गया था जिस पर यह अभियोग पंजीकृत किये जाने का आदेश पारित किया गया है।

ब्रह्मर्षि बावरा सिद्धार्थ ममतागृह के बच्चो ने निकाला रैली

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ब्रह्मर्षि बावरा सिद्धार्थ ममतागृह–(अनाथाश्रम)–जगमोहनी के प्रांगण से पकड़ी चौराहा तक बच्चों के द्वारा सत्य, अहिंसा के प्रतिष्ठापक महात्मा गाँधी एवं सादगी के प्रतिमूर्ति लाल बहादुर शास्त्री के जयंती जनजागरूकता रैली को नागेश्वर चौबे एवं फूलचंद जायसवाल जी के द्वारा सम्यक रूप से हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। तत्पश्चात बच्चों के देशभक्ति भावना से ओतप्रोत नारों से सारा वातावरण गुंजायमान हो गया। महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जीवनी से संबंधित झांकी ने सबको

मनमुग्ध कर उनके विचारों को अपने जीवन मे अपनाने पर विवश कर दिया। इससे पूर्व बच्चों ने अतिथियों के साथ महापुरुषों के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया एवं उनके जीवनी तथा विचारों को जीवन मे अपनाने का संकल्प भी लिया। इस दौरान सुनील पाल, संकटा प्रसाद पाण्डेय, उमेश यादव, अभिषेक, प्रेम, वीर बहादुर, राज, प्रीति, प्रिया, खुशी, रागिनी, गोविन्द इत्यादि की उपस्थिति सराहनीय रही।

पूरी दुनिया मे बापू की जयन्ती मनाई जा रही है:सांसद जगदम्बिका पाल

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई बापू व शास्त्री जी की जयन्ती

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर।रविवार को नगर पंचायत समेत शोहरतगढ़ क्षेत्र के विभिन्न सरकारी व गैरसरकारी संस्थानों पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूंव प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जंयती हर्सोल्लास के साथ मनाई गई। शोहरतगढ़ नगर में गाँधी आश्रम खादी भण्डार की दुकान पर सांसद जगदम्बिका पाल की अगुवाई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूंव प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि पूरी दुनिया मे बापू की जयन्ती मनाई जा रही है। आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम को लेकर पूरे देश मे विभिन्न संगठनों द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम किये जा रहे है। प्रधानमंत्री द्वारा लोगों से आवाहन किया जा रहा है कि वह लोगों को जागरूक करें कि केवल खादी ही न पहने बल्कि खादी खरीदने के लिए सभी लोगों को प्रेरित करें, क्योंकि खादी एक वस्त्र नही अपितु खादी एक विचार है। इस विचार को लेकर बापू ने सत्य अहिंसा का सत्याग्रह करके ब्रिटानिया हुकूमत को भारत की सत्ता से उखाड़ फेंकने का काम किया था, यही उनकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शास्त्री जी को आत्मनिर्भरता

और स्वतंत्रता के लिए देश की आकांक्षाओं में उनके योगदान के लिए एक उत्कृष्ट राजनेता के रूप में माना जाता है। वे असाधारण इच्छाशक्ति वाले एक शानदार विचारक थे, जिन्होंने अपने जीवन में कठिनाईयों को बड़ी सरलता से न सिर्फ पार किया है बल्कि सभी के लिए प्रेरणा बने हैं। जय जवान जय किसान का नारा उन्होंने ही दिया था, इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 6000 प्रतिवर्ष किसानों के खाते में भेजी जाती है, जिससे खाद बीज आदि खरीदने में यह धनराशि मददगार साबित हो। इस दौरान पूर्व लोक सभा समन्यवयक राममिलन त्रिपाठी, अध्यक्ष प्रतिनिधि सौरभ गुप्ता, सांसद प्रभारी सूर्य प्रकाश पाण्डेय, राजेन्द्र कुमार रूँगटा (नीलू), इंद्रेश चौरसिया, लवकुश धर दूबे, मीडिया प्रभारी मनोज चौबे, अनिल अग्रहरि, सोनू निगम उर्फ पहलवान, विष्णुदेव तिवारी आदि मौजूद रहे।

व्यापार संगठन जिला इकाई ने केक काटकर मनाया जन्मोत्सव

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश मुख्यालय स्थित उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन जिला

उद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद व पूर्व मंत्री नरेश अग्रवाल का जन्मदिन जिला इकाई के पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा बड़ी ही धूमधाम से केक काटकर मनाया गया। कार्यालय पर शनिवार की देर शाम जिलाध्यक्ष अजय कसौधन की अध्यक्षता में आयोजित जन्मदिन कार्यक्रम के वक्ताओं द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद व पूर्व मंत्री नरेश अग्रवाल के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। इसके पश्चात सभी ने केक काटकर जन्मदिन मनाते हुए नरेश अग्रवाल के चित्र को केक खिलाया।कार्यक्रम का संचालन संगठन के संरक्षक राणा प्रताप ने किया। इस अवसर पर महामंत्री भीमचन्द कसौधन, प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव, संजय कसौधन, राकेश दत्त त्रिपाठी, याहिया भाई, कमलेश दुबे, करुणेश जायसवाल, रिजवानुल्लाह, हृदय राम वर्मा, विवेक यादव, हारून, उमेश साहू, शिव कुमार, राम स्वरूप अग्रहरि, नरेंद्र श्रीवास्तव, आशीष जायसवाल, इकबाल आदि उपस्थित रहे।

जोगिया ब्लाक परिसर में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि श्रीष चौधरी ने मनाया जयन्ती

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व सादगी के प्रतीक लाल बहादुर शास्त्री जी के जयन्ती पर भाजपा युवा नेता एंव ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि श्रीष चौधरी ने जोगिया ब्लाक पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि श्रीष चौधरी ने कार्यालय पर दोनो महापुरुषों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि श्रीष चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में जन्मे महात्मा गांधी की अहिंसक नीतियों, नैतिक आधारों, अद्भुत नेतृत्व क्षमता ने और अधिक लोगों को स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ा। उन्होंने सभी धर्मों को एकसमान मानने, सभी

भाषाओं का सम्मान करने, पुरुषों और महिलाओं को बराबर का दर्जा देने और दलितों–गैर दलितों के बीच की युगों से चली आ रही खाई को पाटने पर जोर दिया। स्वच्छता का संदेश देते हुए कहा कि सभी लोग देश व समाज को स्वच्छ और स्वस्थ रखने के लिए स्वच्छता को प्राथमिकता दें अपने आस पास साफ सफाई रखें साथ ही स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे व स्वच्छता हेतु अपना पूर्ण सहयोग करें नये भारत के निर्माण मे भागीदार बनें। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हमेशा रचनात्मक और सामाजिक काम करते है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वच्छ भारत के सपने को पूरा करने के लिए भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता समर्पित है। भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन के महानायक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं सत्य अहिंसा व प्रेम का संदेश देता बापू का जीवन समरस समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है। भारतीय राजनीति को मानवीय मूल्यों एवं लोकतांत्रिक आदर्शो से अभिसिंचित करने वाले जननायक जय जवान जय किसान उद्घोषक पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लालबहादुर शास्त्री जी को उनके जयन्ती पर कोटिशः नमन।

न्यायालय परिसर मे मनाया गया गांधी जयंती

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। रविवार को जनपद न्यायालय परिसर सिद्धार्थनगर के सभाकक्ष में माननीय जनपद न्यायाधीश संजय कुमार मलिक

की अध्यक्षता में गांधी जयंती, अंर्तराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाया गया।माननीय जनपद न्यायाधीश संजय कुमार मलिक ने सभी न्यायिक अधिकारीगण, प्रशासनिक अधिकारीगण तथा अध्यक्ष सिविल सिद्धार्थ बार एवं जिला बार एसोशिएसन की उपस्थिति में दीप प्रज्वल्लित कर गांधी जी व लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा का माल्यापर्ण किया गया, जिसमें समस्त न्यायिक अधिकारीगण व अधिवक्तागण तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहे। माननीय जनपद न्यायाधीश ने सभी उपस्थित को गांधी जयंती के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दी।यह जानकारी चन्द्रमणि, पूर्णकालिक सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिद्घार्थनगर द्वारा दी गयी ।

चाकू से जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। कोतवाली पुलिस ने एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर रविवार को न्यायालय में भेज दिया है ।कोतवाल वेद प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी जितेंद्र राजभर पुत्र गंगाराम व महेन्द्र राजभर पुत्र गंगाराम निवासी गुलहरिया लाला को एस आई धर्मेंद्र ,एस आई रामदरश यादव ,हेडकांस्टेबल श्रवण कुमार यादव की टीम ने गिरफ्तार कर न्यायालय में भेजा था जहां से दोनो आरोपियों को जेल भेज दिया गया है ।बताते चले कि पाँच दिन पूर्व अड़गडहां गाँव के युवक माता दुर्गा की प्रतिमा लेकर जा रहे थे ।इस दौरान रास्ते के विवाद को लेकर गुलहरिया लाला गांव के चार नामजद व कुछ अज्ञात लोगों ने दो युवकों पर चाकू डंडे से जानलेवा हमला कर दिया था ।

जिला स्टेडियम में वाकरेस प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागी पुरस्कृत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रपति महात्मा गांधी की जयंती अवसर पर खेल विभाग और प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में का जनपदीय वाकरेस प्रतियोगिता (पैदल दौड़) का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में कपिलवस्तु क्षेत्र के विधायक श्री श्याम धनी राही ने किया। बालक और बालिका वर्ग के लिए हुई अलग–अलग प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इससे पूर्व मुख्य अतिथि समेत क्रीड़ा अधिकारी आशुतोष अग्निहोत्री ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्पार्चन कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। निर्णायक मंडल में शामिल देवेंद्र पांडेय, रत्नेश सिंह, सोनू गुप्ता, अरविंद गुप्ता, सुमन सिंह की ओर से घोषित परिणाम में पांच किमी. बालक वर्ग में आलोक कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि अशोक कुमार द्वितीय, सुरेंद्र कुमार तृतीय, नागेंद्र कुमार चतुर्थ, त्रिवेणी कन्नौजिया पंचम, राजेश कुमार ने छठां स्थान पाने में सफल रहा। तीन किमी. बालिका वर्ग में कुमारी गरिमा ने पहला स्थान प्राप्त किया। जबकि सविता द्वितीय, सारिका चौरसिया तृतीय, संगीता चतुर्थ, संजना पंचम, करिश्मा ने छठवां स्थान हासिल किया। सभी को पुरस्कार देने के बाद विधायक श्री श्याम धनी राही ने कहा कि खिलाड़ियों को खेल की भावना से खेलना चाहिए। सफल खिलाड़ी मंडल, राज्य, प्रदेश और देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करें, जबकि असफल खिलाड़ी जनपदीय प्रतियोगिता में सफल होने के लिए अभी से कोशिश शुरू कर दें। क्रीड़ा अधिकारी आशुतोष अग्निहोत्री ने कहा कि विभाग की ओर से राष्ट्रीय पर्व के साथ ही समय–समय पर खेल प्रतियोगिताएं कराता रहता है। खेल और खिलाड़ियों के उत्थान में हर स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। समापन अवसर पर ईशान सिंह, विवेक मणि त्रिपाठी, विपिन मणि त्रिपाठी उपस्थित थे। संचालन सत्य प्रकाश त्रिपाठी ने किया।

उसका में धूमधाम से मना गांधी व शास्त्री जयंती

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार। क्षेत्र के विद्यालयों व सरकारी कार्यालयों पर गांधी जयंती के अवसर पर रविवार को ध्वजारोहण करके गांधी व शास्त्री जी की जयंती मनाई गई। स्कूलों में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ।कस्बा के किसान इंटर कालेज पर प्रधानाचार्य गोपेश्वर चौबे , श्रीकृष्णा द स्कूल पर प्रबंधक धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय , बाबा हरिदास इंटर कालेज पर प्रधानाचार्य चन्द्र भान त्रिपाठी , नगर पंचायत कार्यालय पर चेयरमैन पुनीता यादव ने ध्वजारोहण किया है। किसान इंटर कालेज पर प्रधानाचार्य गोपेश्वर चौबे ने कहा कि राजनीति में नीति के प्रति पूर्ण सजग एवं प्रतिबद्ध, देश के स्वाभिमान के लिए सतत सतर्क, संकल्पित एवं राष्ट्रीय अस्मिता के प्रतीक पुरूष पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री से प्रेरणा लेनी चाहिए।

सत्य, अहिंसा, प्रेम, करूणा, अस्तेय, अपरिग्रह, अभय, आत्मविश्वास की प्रतिमूर्ति राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी भारतीय जीवन मूल्यों को जीने वाले गृहस्थ संत थे। उन्होंने गीता के निष्काम कर्मयोग तथा अनासक्ति योग के अनुरूप जीवन जीकर दिखाया। व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और राष्ट्रीय कर्तव्यों का निर्वहन कैसे किया जाना चाहिए ? अपना स्वयं का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने संसार को दिखाया। संयुक्त राष्ट्र संघ भी आज के दिन दो अक्टूबर को महात्मा जी के सम्मान में प्रतिवर्ष ष्अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाता है। पूर्व प्रधानाचार्य व इतिहास के प्रवक्ता संजय कुमार गुप्ता ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में जान फूंकने वाले और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को लोग प्यार से बापू भी कहते हैं। ये महात्मा गांधी ही थे, जिन्होंने न केवल आजादी की जंग में अहम भूमिका निभाई थी, बल्कि समाज में व्याप्त कुरीतियों पर भी जंग छेड़ी थी। गांधी जयंती के मौके हम सब को उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर संजय कुमार गुप्ता, वीरेन्द्र पाण्डेय, डा सतेंद्र मिश्र, कैलाश पाठक, अम्बरीष मिश्र, घनश्याम साहनी, सर्वेश उपाध्याय, आशीष मौर्य, अविनाश वर्मा, अशोक यादव, इन्द्रकला सिंह, राम शंकर भारती, प्रमोद पाण्डेय, राजकुमार शुक्ल,अनिल चौबे,शिव कुमार,पवन, रामकेश, गणेश , शैलेश दूबेआदि रहे।

अमरमणि एवं राजन पांडेय के भजनों से मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा।नवरात्रि के पावन पर्व पर इटवा श्रेत्र के बिजौरा मंदिर पर जागरण का आयोजन किया गया।अमरमणि और राजन पांडेय के गीतों पर झूमे श्रोता। नवरात्रि के पंचम दिवस पर आयोजित

जागरण दोनों जोड़ी ने जैसे ही माइक थामा श्रोता झूम उठे दोनों ने देवी गीतों से समां बांध दिया।देर रात तक चले इस जागरण में दर्जनों भक्ति गीतों से भक्तों का मन मोह लिया।इस दौरान भजन गायक रजनीश श्रीवास्तव, गायिका दिव्या, प्रधान संघ उपाध्यक्ष भनवापुर अनुराग पांडेय , मगन पांडेय, अजय तिवारी, वशिष्ठ पांडेय , दुर्गेश पांडेय सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

राजा जय प्रताप सिंह राजसी लाव लश्कर के साथ माता देवी भवानी को ले गये राजमहल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। सदियों पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए बांसी राजघराने के राजा व विधायक जय प्रताप सिंह व राजकुमार अभय प्रताप सिंह ने शारदीय नवरात्रि की सप्तमी तिथि दिन रविवार को प्राचीन माली के घर से माता देवी भवानी को सासम्मान राजसी ठाठ बाट, लाव लश्कर के साथ बांसी राजमहल ले गए तथा उन्हें प्राचीन मंदिर में स्थापित किया। बांसी राजघराने की यह सदियों पुरानी परंपरा है। शारदीय नवरात्र के दिन बांसी नरेश राजसी ठाठ बाट के

साथ आते हैं और माता देवी भवानी को माली के घर से सासम्मान राजमहल ले जाते हैं।रविवार को बांसी राजघराने के राजा जय प्रताप सिंह व राजकुमार अभय प्रताप सिंह के साथ यह सदियों पुरानी प्राचीन शाही परंपरा का निर्वहन परंपरागत तरीके से किया। हाथों में नंगी तलवार लिए राजा जय प्रताप सिंह व राजकुमार अभय प्रताप सिंह राप्ती पुल पर नंगे पांव खड़े होकर माता देवी भवानी का इंतजार कर रहे थे। और उधर विशंभर माली के घर से माली के साथ राजसी सेना और लाव लश्कर प्राचीन परंपराओं का निर्वहन करते हुए माली के घर से पुरानी कचहरी होते हुए राप्ती पुल पर देवी भवानी माता को लेकर पहुंचे ओर माता की अगवानी की और माली के साथ नंगे पांव पैदल चलते हुए राजमहल गए। राजमहल पहुंचकर माताजी को प्राचीन देवी मंदिर में स्थापित किया गया। इस दौरान राजमहल में खुशी और उत्साह का माहौल रहा।

इस दौरान राघवेंद्र प्रताप सिंह नन्हे ,आनंद शंकर मणि त्रिपाठी ,विष्णु जायसवाल सोनू ,बलराम कलश्रेषेठ , संतोष सहित तमाम लोग उपस्थित थे । वर्षों पुरानी इस परम्परा को देखने के लिए राप्ती नदी पुल पर नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलो से काफी लोग आए थे ।

वन विभाग ने किया दीपदान व गंगा आरती का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। राप्ती तट पर जिला गंगा समिति सिद्धार्थनगर और वन विभाग की ओर से दीपदान व गंगा आरती का आयोजन गांधी

जयंती के पावन अवसर पर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नपा अध्यक्ष मो इद्रीश पटवारी अध्यक्षता तहसीलदार बांसी डॉक्टर संजीव दिक्षित ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर के पी त्रिपाठी ,हजारी प्रसाद अग्रहरी ,क्षेत्रीय वन अधिकारी,जिला गंगा समिति के सिद्धार्थ शंकर पांडे सहित काफी लोग उपस्थित थे।

सम्पादकीय

मेरे तो सत्ता गोपाल....

ख उपभोग के लिए और अतीत व्यतीत हुए सत्ताधारियों को कोसते हुए अपनी गोटी फिट कर रहे हैं । मेरे तो सत्ता गोपाल, दूसरो न कोई –– लो देखो आयाराम गयाराम की फसलें, देश सेवा के लिए लहराने लगी हैं । हर दल में टिकट पाने के लिए कौरव पांडवों के दल भिड़ रहे हैं । टिकिट पाने के लिए धक्का–मुक्की, मारपीट...

मेरे तो गिरधर गोपाल गाने के दिन सो बीत गये । सन् 1950 से पहले तक भी गिरधर गोपाल जनमानस के जेहन में थे । पूर्ण पवित्रता के साथ तब समाज बंटा नहीं था, एक था । लेकिन इस देश के सत्ताधीशों का लोकतंत्र से पाणिग्रहण होने के बाद जीवन के मकसद, अर्थ, प्रयोजन ही, बदल गये । समाज की सतह पर वाचाल बाजीगर उभर आये, जो सार्वजनिक मंचों पर निहायत सफेद झूठ को पूर्ण आत्मविश्वास के साथ सत्य के रूप में परोसते रहे और झूठे वादे करते रहे । सत्तर साल से लोकतंत्र की यह रामलीला हर चुनाव के नाम पर, पाँच साल बाद पूर्ण साजधज्जा से सजाई जाती रही है । आश्वासनों के षट् व्यंजन सत्ता समारोह के लिए परोसे जाते हैं । देश भक्ति और राष्ट्रीय अनुराग की लोली पोप चूसने के लिए बॉटी जाती है, जिन्हें भूखा बोटर पाँच साल तक चूसता रहता है । ये ठप्पा बरदार डिब्बा सरदार ई.वी.एम. के पंख पर सवार होकर सत्ता मन्दिर तक पहुँच जाते हैं । गोबरी लाल से करोड़ी लाल बन जाते हैं और फिर भजन मंडली में खड़ताल लेकर नाचते गाते नजर आते हैं ––मेरे तो सत्ता गोपाल, दूसरो न कोई ६ जासो मिले झंडी कार, मेरो पति सोई । तो राष्ट्रीयता के पुजारी जो कभी गरीबों के आँसू पोंछने निकले थे और जिन्होंने रावी के तट पर कसम खाई थी कि हर बेईमान को बिजली के खम्भे पर टांग दिया जावेगा, अब सत्तर साल बाद गुनगुना रहे हैं कि राम तेरी गंगा मैली हो गयी, पापियों के पाप धोते–६ ोते भी, हमारे देश में गंगा में मैल धोने की प्रक्रिया दशकों से चल रही है । रिश्वत खोर अफसर, मुनाफाखोर ठेकेदार करोड़ों रुपये डकार गये, पर गंगा के मैल न धुले थे, न धुलेंगे । पिछली आधी शताब्दी से गंगा सफाई का करोड़ों रुपया डकार गये । दशकों से करोड़ों पापी, पाप धोने का अभिनय करते रहे हैं और करते रहेंगे । मानसी गंगा में नहाओ, वह जो तुम्हारे भीतर बह रही है । पाप धोने का ढोंग सार्वजनिक क्यों कर रहे हो । कर्मों की पवित्रता ही उसका फल है, यही सुख और संतोष है । कुंभ स्नान तो राष्ट्रीय एकता का पवित्र अनुष्ठान है, उसे चलने दो । कुंभ के महान आशय राष्ट्रीय एकता को राजनीति के कीचड़ में मत घसीटो । लोगों का धर्म पर से विश्वास ही उठ जायेगा, जैसे जनप्रतिनिधियों के प्रति उठ रहा है । जनता अब सोचती है कि वोट के मंगते भिखारी, सत्ता का स्वाद चखने के लिए हर पाँच साल बाद दरवाजे पर झुक–झुक कर सलाम करते हैं । इन गोबरी लालों को तो सिर्फ देश की सेवा करनी है । गली और मौहल्ले की नहीं । भले ही सैकड़ों निरीह नकली शराब पीकर मर जायें, सियासत चलनी चाहिये । ऐसे भी देश सेवक हैं, जिनके पिताजी तो वृद्धाश्रम में हैं, माताजी बरतन मांजती फिर रही हैं, औलादें चाकू की नौंक दिखाकर दुर्योधन बने घूम रहे हैं । ऐसे महान संस्कारी श्रवण कुमार अब देश की सेवा के लिए आपके द्वार पर दस्तक दे रहे हैं । सिर्फ कुर्सी के लिए, आजीवन सुख उपभोग के लिए और अतीत व्यतीत हुए सत्ताधारियों को कोसते हुए अपनी गोटी फिट कर रहे हैं । मेरे तो सत्ता गोपाल, दूसरो न कोई –– लो देखो आयाराम गयाराम की फसलें, देश सेवा के लिए लहराने लगी हैं । हर दल में टिकट पाने के लिए कौरव पांडवों के दल भिड़ रहे हैं । टिकिट पाने के लिए धक्का–मुक्की, मारपीट चल रही है । कपड़े फट रहे हैं । टी. बी.चौनल चटखारे ले–लेकर खबरें परोस रहे हैं । एंकर तो लगने लगा है कि भाड़े पर ही किसी दल का गुणगान करने के लिए ही बैठे हैं । समाचारों और प्रस्तुत विचारों को ऐसे दिग्भ्रमित किया जा रहा है जैसे सारा देश स्वर्ग की देहरी पर खड़ा हो चला है । नारों, यादों का कुहरा देश में पैदा किया जा रहा है । असलियत किसी की भी नजर न आये, अलावा सत्ता सेवक के । क्या भगवान अथवा धर्म भी अब तिजारती सामान हैं ?

अपूर्व उत्साह, आनंद और सृजनशीलता का पर्याय होते हैं लोक खेल

पंकज गुप्ता

उत्साह, आनंद और सृजनशीलता का पर्याय होते हैं लोक खेल। स्थानीय सामाग्रियों की आसानी से उपलब्धता, खेल के स्थानीय तौर तरीके, रोचकता और मनोरंजन जैसे गुणों के कारण लोक खेल जन–जन में बेहद लोकप्रिय होते हैं। एक ऐसे समय जब बच्चों, किशोरों और युवाओं सहित नागरिकों की सारी दुनिया सिमटकर मोबाइल में समाते जा रही है और उनका बचपन का नैसर्गिक उत्साह, मुस्कान और सृजनशीलता का दायरा भी छोटा होता जा रहा है। ऐसे में उनकी दुनिया और खेल के मैदान को एक बार फिर से व्यापक बनाने की आवश्यकता सभी ओर महसूस की जा रही है। निश्चय ही लोक खेल इस दिशा में एक सार्थक कदम बन सकता है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जो लोककला, लोक संस्कृति और लोक खान–पान को लगातार बढ़ावा दे रही है, अब इसी दिशा में एक कदम और आगे बढ़कर लोक खेलों पर आधारित च्छत्तीसगढिया ओलम्पिक्य का आयोजन करने जा रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर बीते 6 सितम्बर को कैबिनेट में लिए गए निर्णय के बाद छत्तीसगढिया ओलम्पिक का खाका तैयार कर लिया गया है। छह स्तरों में होने वाले च्छत्तीसगढिया ओलम्पिक्य के आयोजन का दायित्व पंचायत एवं ग्रामीण विकास और नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को सौंपा गया है। इन खेलों की शुरूआत आगामी 6 अक्टूबर 2022 से शुरू होगी, जिसका समापन राज्य स्तर पर 6 जनवरी 2023 को होगा। दो श्रेणी में 14 तरह के खेले होंगेः छत्तीसगढ़ के पारम्परिक खेल प्रतियोगिता दलीय एवं एकल श्रेणी में होगी। छत्तीसगढ़ ओलम्पिक 2022–23 में 14 प्रकार के पारम्परिक खेलों को शामिल किया गया है। इसमें दलीय श्रेणी गिल्ली डंडा, पिट्ठूल, संखली, लंगड़ी दौड़, कबड्डी, खो–खो, रस्साकसी और बांटी (कंचा) जैसे खेल शामिल किए गए हैं। वहीं एकल श्रेणी की खेल विधा में बिल्लस, फुगड़ी, गेड़ी दौड़, भंवरा, 100 मीटर दौड़ और लम्बी कूद शामिल है। गांव के क्लब से लेकर राज्य तक छह स्तरों पर होंगे आयोजनः छत्तीसगढिया ओलम्पिक में छह स्तर निर्धारित किए गए हैं। इन स्तरों के अनुसार ही खेल प्रतियोगिता के चरण होंगे। इसमें गांव में सबसे पहला स्तर राजीव युवा मितान क्लब का होगा। वहीं दूसरा स्तर जोन है, जिसमें 8 राजीव युवा मितान क्लब को मिलाकर एक क्लब होगा। फिर विकासखंडध्नगरीय क्लस्टर स्तर, जिला, संभाग और अंतिम में राज्य स्तर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। छत्तीसगढिया ओलम्पिक में आयु वर्ग को तीन वर्गो में बांटा गया है। इसमें प्रथम वर्ग 18 वर्ष की आयु तक फिर 18–40 वर्ष आयु सीमा तक, वहीं तीसरा वर्ग 40 वर्ष से अधिक उम्र के लिए है। छत्तीसगढ़ के ये पारम्परिक खेल न केवल ऋतुओं पर आधारित होते है, बल्कि कई बार अपने साथ–साथ लोकसंगीत और लोकगायन को भी लिए होते हैं जिसके कारण ये खेल अपार रोचकता के साथ तेज गति, तेज दृष्टि, संतुलन, स्फूर्ति को बढ़ाते हुए शारीरिक और मानसिक मनोरंजन देते हैं। ये खेल इतने अधिक रोचक होते हैं कि गांवों के बच्चे अपने सारे सुख–दुख, गम शिकवे भूल कर इन खेलों के अभूतपूर्व आनंद की अनुभूति लेते हैं। तेजी से लुप्त होते जा रहे ऐसे खेल और बच्चों की मासूमियत एक बार फिर से लोक खेलों के माध्यम से वापस लौटाई जा सकती है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा एक अभिनव पहल करते हुए च्छत्तीसगढिया ओलम्पिक्य की शुरूआत की जा रही है, आशा है इससे खेलों के प्रति एक उत्साह का वातावरण बनेगा और बच्चे एक बार फिर से खेलों के मैदान में दिखाई देंगे।

लेखक संयुक्त संचालक हैं

जनता से फिर जुड़ने को तैयार है कांग्रेस

ये सारे मुद्दे भारत की जनता के लिए एक अच्छे से पैक किए गए संदेश के रूप में जाने चाहिए, विशेष रूप से उत्तरी राज्यों में जहां पार्टी ने भारी मार खाई है और भाजपा के सामने अपना सारा जनाधार खो दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष पद के दावेदार के रूप में सामने आए शशि थरूर ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो कांग्रेस को उसकी जमीन वापस दिला सकें। वे सौम्य, साफ व अच्छी सोच वाले, अर्थपूर्ण और अपनी बात को ...

जगदीश रत्तनानी

कांग्रेस को आज एक ऐसे मुखिया की जरूरत है जो कुछ बुनियादी बदलाव कर सके और मौजूदा सरकार का स्पष्ट विकल्प पेश कर सके। निश्चित रूप से पार्टी को सबसे पहले राष्ट्र को फिर से एकजुट करना होगा जो राहुल गांधी की श्भारत–जोड़ो यात्राश जैसा विषय है लेकिन इसके साथ ही अर्थव्यवस्था पर एक नयी नीति, शांति, अहिंसा और सतत विकास पर एक नए नजरिए की भी आवश्यकता है। दिवंगत वरिष्ठ कांग्रेस नेता और महासचिव विठ्टलराव एन गाडगिल ने एक बार कहा था– श्भारत के किसी भी गांव में जाइये, आपको तीन बातें निश्चित मिलेंगी– डाकिया, पुलिसकर्मी और कांग्रेस पार्टी। गाडगिल ने यह बताने की कोशिश की थी कि कांग्रेस राष्ट्र के ताने–बाने में कितनी शामिल है। निश्चित रूप से यह संबंध बहुत पहले था। तब पार्टी का आमजनता के साथ जमीनी स्तर पर संपर्क जीवित था, लोगों की भावनाओं को पढ़ने, उनसे जुड़ने, अपना आधार बनाने और लोगों में अपना एजेंडा खड़ा करने की उसके पास व्यवस्था थी। यह संबंध समय के साथ नष्ट होता गया। संबंधों में और गिरावट तब आई जब कांग्रेस ने अपना नियंत्रण एक नौकरशाह को सौंप दिया। यह नौकरशाह अपने समय में बहुत प्रशंसित था जिसने प्रध ानमंत्री के रूप में दो कार्यकाल तक शासन किया अंततरू जिसका शासन भाजपा के राष्ट्र की प्रमुख पार्टी बनने के साथ समाप्त हो गया। बतौर नौकरशाह जीवनयापन करने वाले डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस का अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति से कोई संबंध नहीं हो सकता था। उनका काम खेल को मैनेज करना था। आर्थिक संकट से निकालने का मतलब था कि उन्होंने अपने पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के कार्यकाल में जो सुधार शुरू किए थे उसकी नौका संतुलित रूप से पार होती जाए। इस प्रक्रिया में जमीनी स्तर के लोगों के बारे में बात करने और सोच का तरीका बदल गया। सरकार तथा कांग्रेस की भाषा उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण में बदल गई– वे सब बातें जिनका भारत की विशाल जनसंख्या से कोई लेना–देना नहीं था। डॉ. सिंह अक्सर मुंबई जाया करते थे लेकिन कार्यकर्ताओं से मिलने के लिए कभी भी एक सामूहिक रैली तक नहीं कर सके। क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में उनकी लंच मीटिंग आम बात थी जिसका आयोजन उस समय के मुंबई पार्टी प्रमुख और व्यवसायी मुरली देवड़ा किया करते थे। इस बात को याद करना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कांग्रेस अब अपना स्वरूप बदलना चाहती है, चुनाव कराना चाहती है तथा लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित नेता को पार्टी की कमान सौंपना चाहती है। भारत की सबसे पुरानी पार्टी के इतिहास में यह फैसला मील का एक महत्वपूर्ण पत्थर है। पार्टी को बदलाव की जरूरत है, आंतरिक लोकतंत्र से इसका भला ही होगा। पार्टी पर वंशवादी नियंत्रण निश्चित रूप से एक समस्या है लेकिन इनमें से कोई भी पार्टी के पतन का कारण नहीं है। आम लोगों और मेहनतकश वर्गों की जरूरतों और आकांक्षाओं से दूर जाने के कारण ही पार्टी की यह हालत हुई है। कांग्रेस ने कई महत्वपूर्ण बड़े सुधार किए। उदाहरणार्थ, काम करने का अधिकार देने के लिए मनरेगा की शुरूआत, स्कूल मिड–डे मील योजना का आरंभ लेकिन कमजोर वर्ग के लिए उसके लहजे और आशय को बदला नहीं जा सका। यह एक ऐसी पार्टी की कहानी बन गई जो गरीबों और दबे–कुचले लोगों से दूर हो रही थी, भ्रष्टाचार में उलझी हुई थी और किसानों के बजाय सत्ता के दलालों की तलाश में लगी हुई थी। इसका नतीजा यह हुआ कि पार्टी आज भारत की राजनीति में काफी निचले पायदान पर है। मीडिया में अब जी–23 के नाम से मशहूर कथित बागी कांग्रेस नेताओं को महत्व दिया जा रहा है जो पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को चुनौती दे रहे हैं। बागी इस बात को भूल गए हैं कि यदि जी–23 के सभी नेताओं की बात न करें तो भी इनमें से कई नेताओं ने जनता से खुद को अलग–थलग कर लिया था। वे एक ऐसी पार्टी में बढ़े जो आम जनता से दूर हो गई थी या कम से कम उसे इस तरह से देखा जा रहा था। एक अलग वर्ग के लिए बनाई गई किसी भी पार्टी के लिए जी–23 में शामिल नेता बहुत कम या बिलकुल भी उपयोगी साबित नहीं होंगे। उन्हें कोई वोट नहीं मिलेगा। जिस तरह से जी–23 के सदस्यों ने इस्तीफा दिया है उससे देखा जा सकता है कि वे केवल एक बिंदु तक प्रतिबद्ध थे। वे पार्टी में तब तक रहे जब तक उन्हें यह यकीन था कि यहां रहने में फायदा है। जी–23 को पूरी तरह खारिज करने की जरूरत नहीं है लेकिन इसके ज्यादातर नेता सौम्य, उच्चस्तरीय, अच्छे संपर्कों से जुड़े हुए कुलीन थे। वे जमीन से जुड़े हुए राजनेता नहीं थे जो जनता की नब्ज को समझ सकते थे। कांग्रेस को आज एक ऐसे मुखिया की जरूरत है जो कुछ बुनियादी बदलाव कर सके और मौजूदा सरकार का स्पष्ट विकल्प पेश कर सके। निश्चित रूप से पार्टी को सबसे पहले राष्ट्र को फिर से एकजुट करना होगा जो राहुल गांधी की श्भारत–जोड़ो यात्राश जैसा विषय है लेकिन इसके साथ ही अर्थव्यवस्था पर एक नयी नीति, शांति, अहिंसा और सतत विकास पर एक नए नजरिए की भी आवश्यकता है। ये सारे मुद्दे भारत की जनता के लिए एक अच्छे से पैक किए गए संदेश के रूप में जाने चाहिए, विशेष रूप से उत्तरी राज्यों में जहां पार्टी ने भारी मार खाई है और भाजपा के सामने अपना सारा जनाधार खो दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष पद के दावेदार के रूप में सामने आए शशि थरूर ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो कांग्रेस को उसकी जमीन वापस दिला सकें। वे सौम्य, साफ व अच्छी सोच वाले, अर्थपूर्ण और अपनी बात को अच्छी तरह से समझा सकते हैं।

मुस्लिमों को सबसे ज्यादा पद्म पुरस्कार किसने दिये? कांग्रेस ने, अटलजी ने या मोदी ने?

मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक जैसी कुप्रथा से भी मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान ही निजात मिली। लेकिन फिर भी समाज का एक वर्ग है जोकि मुस्लिमों के मन में भाजपा के प्रति भय का वातावरण बनाकर अपनी राजनीति करना चाहता है लेकिन ऐसे लोगों का सच अब धीरे–धीरे मुसलमान भी समझने लगे हैं। देश का मुसलमान आज समझ चुका है कि जिन लोगों ने आज तक उन्हें गुमराह...

नीरज कुमार दुबे ।

कांग्रेस और भाजपा के कार्यकाल में जिन मुस्लिमों को पद्म पुरस्कारों पर मिले उनके नामों पर नजर डालें तो एक बात और साफतौर पर उभर कर आती है कि दोनों ही पार्टियों ने ऐसे नामों को वरीयता दी जो वैचारिक आधार पर उनके नजदीक लगे। भारत में मुसलमानों को लेकर राजनीति शुरू से होती रही है। यदि मुसलमानों को वोट बैंक नहीं समझा गया होता तो आज इस समुदाय की आर्थिक और सामाजिक दशा निश्चित ही बहुत बेहतर होती। मुस्लिम समाज की बेहतरी की दिशा में किये गये कार्यों को लेकर सरकार और विपक्ष के अपने–अपने दावे हैं। लेकिन इन दावों और वादों की पड़ताल करने की बजाय आज हम जानेंगे कि इस समाज को पद्म पुरस्कारों जैसा राष्ट्रीय सम्मान किसने सर्वाधिक दिया है। हालांकि संख्या के लिहाज से देखेंगे तो चूंकि देश में अधिकतर समय कांग्रेस का ही शासन रहा है इसीलिए उसी ने सर्वाधिक मुस्लिमों को इस सम्मान से नवाजा है लेकिन यह भी गौर करने वाली बात है कि एनडीए सरकार के दौरान चाहे अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री रहे हों या अब नरेंद्र मोदी...इन दोनों ही नेताओं की सरकारों के कार्यकाल में भी मुस्लिमों के सम्मान का पूरा–पूरा ध्यान रखा गया है।खास बात यह भी है कि कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल में मुस्लिमों को मिले पद्म पुरस्कारों पर नजर दौड़ाएंगे तो पता चलता है कि उनमें संभ्रांत वर्ग के ही ज्यादातर लोग शामिल थे। कांग्रेस सरकार के कार्यकालों में जिन मुस्लिमों को पद्म पुरस्कार दिये गये उनमें प्रसिद्ध गीतकार, संगीतकार, अभिनेता–अभिनेत्री, नर्तक, कवि, चित्रकार, डॉक्टर, कश्मीरी कार्यकर्ता, नेताओं की पत्नियां या अन्य परिजन, एनजीओ चलाने वाले, सरकारी अधिकारी, सरकारी अधिकारियों के परिजन और कांग्रेस पार्टी के नेता आदि शामिल थे। जबकि एनडीए सरकार के कार्यकाल में ऐसे मुस्लिमों को पद्म पुरस्कार से नवाजा जा रहा है जिन्हें उनके नाम की घोषणा से पहले राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर कोई नहीं जानता था। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में पद्म पुरस्कार पाने वाले मुस्लिमों में कोई गाय को बचाने का अभियान चलाता है तो कोई लावारिस लाशों का अंतिम संस्कार करने वाला है तो कोई ऐसा पुरातत्वविद् है जो अयोध्या में राम मंदिर चाहता है। कांग्रेस और भाजपा के कार्यकाल में जिन मुस्लिमों को पद्म पुरस्कार मिले उनके नामों पर नजर डालें तो एक बात और साफतौर पर उभर कर आती है कि दोनों ही पार्टियों ने ऐसे नामों को वरीयता दी जो वैचारिक आधार पर उनके नजदीक लगे। भाजपा भले ही कांग्रेस पर श्मुस्लिम तुष्टिकरणश का आरोप लगाती है, लेकिन वह भी इस परंपरा को जारी रखे हुए है। पहले एनडीए शासन (1998–2004) के दौरान, 534 पद्म पुरस्कार वितरित किए गए, जिनमें से 30 मुसलमानों को दिए गए (उस्ताद बिस्मिल्लाह खान को भारत रत्न सहित) यानि भाजपा ने लगभग 6 प्रतिशत मुस्लिमों को पद्म पुरस्कार दिये। वहीं मोदी सरकार ने कुल 902 पुरस्कार (2022 तक) दिए हैं और इस आंकड़े में केवल 50 मुस्लिम शामिल हैं। यानि मुस्लिमों की हिस्सेदारी घटकर 5.5 फीसदी रह गई है। यहां साल 2020 के आंकड़ों पर भी गौर करना चाहिए क्योंकि इस वर्ष सर्वाधिक 12 मुस्लिमों को पद्म पुरस्कार प्रदान किये गये। बहरहाल, 1954 से अब तक के आंकड़े पर नजर डालें तो इस अवधि में छह भारत रत्नों सहित मुस्लिमों को जितने पद्म पुरस्कार दिये गये हैं उसका वार्षिक औसत छह से सात प्रतिशत रहा है जिसे एनडीए शासन के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी ने भी और अब नरेंद्र मोदी ने भी लगभग बरकरार रखा है। यह तो हुई मुस्लिमों को सम्मान देने की बात इसके अलावा सरकारी योजनाओं की बात करें तो अलपसंख्यक समाज के लिए तमाम क्षेत्रों में योजनाएं शुरू करने उनका लाभ मुस्लिमों तक पहुँचाने का काम भी पिछले आठ वर्षों के दौरान जितना हुआ है उतना पहले कभी नहीं हुआ। मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक जैसी कुप्रथा से भी मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान ही निजात मिली। लेकिन फिर भी समाज का एक वर्ग है जोकि मुस्लिमों के मन में भाजपा के प्रति भय का वातावरण बनाकर अपनी राजनीति करना चाहता है लेकिन ऐसे लोगों का सच अब धीरे–धीरे मुसलमान भी समझने लगे हैं। देश का मुसलमान आज समझ चुका है कि जिन लोगों ने आज तक उन्हें गुमराह किया उनके बच्चे तो तरक्की पा गये लेकिन गरीब मुस्लिमों के बच्चे आज भी संघर्ष करने के लिए मजबूर हैं।

राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की जयन्ती पर भाजपा ने बिभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व सादगी के प्रतीक लाल बहादुर शास्त्री जी के जयन्ती पर भाजपा ने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये। भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे की अध्यक्षता मे जिला कार्यालय पर दोनो महापुरुषों के चित्र पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे, सदर विधायक भूपेश चौबे, घोरावल विधायक अनिल कुमार मौर्य, क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा अजीत रावत सहित सभी कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किया व संगोष्ठी का आयोजन किया गया तत्पश्चात् नगर के स्वामी विवेकानन्द प्रेक्षागृह मे स्थापित स्वामी विवेकानन्द जी के प्रतिमा स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाकर लोगो को स्वच्छता के प्रति जागरुक किया व नगर पालिका परिसर मे स्थापित महात्मा गांधी जी के प्रतिमा पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे, सदर विधायक भूपेश चौबे, अजीत रावत, कृष्णमुरारी गुप्ता, विजय जैन, नगर अध्यक्ष बलराम सोनी ने माल्यार्पण किया।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे ने कहा कि 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में जन्मे महात्मा गांधी की अहिंसक नीतियों, नैतिक आधारों, अद्भुत नेतृत्व क्षमता ने और अधिक लोगों को स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ा। उन्होंने सभी धर्मों को एकसमान मानने, सभी भाषाओं का सम्मान करने, पुरुषों और महिलाओं को बराबर का दर्जा देने और दलितों–गैर दलितों के बीच की युगों से चली आ रही खाई को पाटने पर जोर दिया। स्वच्छता का संदेश देते हुए कहा कि सभी लोग देश व समाज को स्वच्छ और स्वस्थ्य रखने के लिए स्वच्छता को प्राथमिकता दें अपने आस पास साफ सफाई रखें साथ ही स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे व स्वच्छता हेतु अपना पूर्ण सहयोग करें नये भारत के निर्माण मे भागीदार बनें। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हमेशा रचनात्मक और सामाजिक काम करते है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वच्छ भारत के सपने को पूरा करने के लिए भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता समर्पित है।इस अवसर पर सदर विधायक भूपेश चौबे व घोरावल विधायक अनिल कुमार मौर्य ने कहा कि भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन के महानायक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं सत्य अहिंसा व प्रेम का संदेश देता बापू का जीवन समरस समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है। भारतीय राजनीति को मानवीय मूल्यों एवं लोकतांत्रिक आदर्शो से अभिसिंचित करने वाले जननायक जय जवान जय किसान उद्घोषक पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लालबहादुर शास्त्री जी को उनके जयन्ती पर कोटिशः नमन। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक कैलास बैसवार, जिला उपाध्यक्ष उदयनाथ मौर्य, जिला महामंत्री कृष्णमुरारी गुप्ता, जिला मंत्री संतोश शुक्ला, गुडिया वर्मा, अनूप तिवारी, विजय जैन, रविन्द्र केशरी, बलराम सोनी, मिठाई लाल सोनी, सुरेश शुक्ला, कमलेश चौबे, राहुल पटेल, महेन्द्र पाण्डेय, यादवेन्द्र द्विवेदी, पुष्पा सिंह, गुडिया त्रिपाठी, रुबी गुप्ता, आशीष केशरी, अंशू अग्रहरी, सरोज केशरी, धर्मवीर त्यागी, ध्रुवकांत द्विवेदी सहित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गांधी जी के पास था सत्य अहिंसा रूपी ब्रहमास्त्रः निगम मिश्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिला महामंत्री निगम मिश्रा की अध्यक्षता में सत्य और अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी जी की तथा सादगी, ईमानदारी, और नैतिकता के प्रतीक पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर मनाई गई तदोपरांत उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला गया।

पूर्व जिला महामंत्री निगम मिश्रा ने कहा कि गांधी जी के नेतृत्व में भारत की आजादी की लड़ाई लड़ी गई। उनके पास सत्य और अहिंसा का एक ऐसा ब्रह्मास्त्र था जिसकी काट अंग्रेजों के पास नहीं थी। वह जिधर से निकलते थे उनके पीछे जनता का रेला लग जाता था। गांधी जी की लोकप्रियता से अंग्रेज काफी भयभीत थे उन्होंने अंग्रेजों के अत्याचार के खिलाफ काफी मजबूत लड़ाइयां लड़ी जिसकी बदौलत आज देश आजाद है इनका सहयोग नेहरू, पटेल, शास्त्री जी आदि महत्वपूर्ण नेताओं ने किया। लाल बहादुर शास्त्री जी एक ईमानदार और सादगी से जीवन व्यतीत करने वाले व्यक्ति थे। या जब रेल मंत्री थे एक रेल दुर्घटना हो गई थी इससे दुखी होकर उन्होंने इस्तीफा दे दिया था आज इतना नैतिक आदर्श बीजेपी के किसी नेता में नहीं है। मुख्य अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष नामवर सिंह कुशवाहा ने कहा कि दोनों नेता महत्वपूर्ण भूमिका निभाए हैं इनके व्यक्तित्व और कृतित्व के बारे में जितना कहा जाए कम है। सोनभद्र बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री लालता प्रसाद पांडे ने कहा कि गांधी और शास्त्री जी देश के दो अनमोल धरोहर हैं। इनके आदर्शों पर चलना काफी कठिन है। करवा ब्लॉक अध्यक्ष बंशीधर पांडे और सदर ब्लॉक अध्यक्ष श्री अमरेश पांडे ने कहा कि गांधीजी और शास्त्री जी ने देश के लिए एक ऐसा आदर्श प्रस्तुत किया है जिसकी सराहना विश्व में की जाती है। वरिष्ठ अधिवक्ता श्री दिनेश धर द्विवेदी और सेवा दल शहर अध्यक्ष शैलेश चौबे ने कहा कि वर्तमान बीजेपी सरकार गांधी और शास्त्री के नीतियों पर नहीं चल रही है। इस सरकार में चारों तरफ नफरत और ईर्ष्या फैल रही है। देश का माहौल काफी खराब हो चुका है सरकार जन कल्याणकारी कार्य न कर सिर्फ अपना प्रचार करने में लगी हुई है।इस दौरान निगम मिश्रा, जितेंद्र देव पांडे, वंशीधर देव पांडे, अमरेश देव पांडे, नामवर सिंह कुशवाहा, दिनेश धर द्विवेदी, सोनभद्र बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव लालता प्रसाद पांडे, प्रदीप पांडे, सेवादल के शहर अध्यक्ष शैलेंद्र चतुर्वेदी, अमन देव पांडे, कमलाकांत पासवान, वीरेंद्र भारती, कमल नारायण भारती, विमलेश कनौजिया, प्रेम कनौजिया आदि उपस्थित रहे।

वन्य जीव संरक्षण विषय पर की गई गोष्ठी

दैनिक बुद्ध का संदेश

घोरावल/सोनभद्र। घोरावल वन क्षेत्राधिकारी कार्यालय परिसर में वन्य जीव प्राणी सप्ताह के अंतर्गत एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।रविवार को आयोजित वन्य जीव संरक्षण विषयक गोष्ठी के आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार रखे।कार्यक्रम की शुरुवात वन क्षेत्राधिकारी सुरजू प्रसाद ने औपचारिक घोषणा करते हुए बताया कि अक्टूबर का प्रथम सप्ताह वन्यजीव प्राणी सप्ताह के रूप में हर वर्ष मनाया जाता है।जिसमें वन्य जीव संरक्षण के लिए विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।अतिथि के रूप में डॉ परमेश्वर दयाल श्रीवास्तव ने वन्य जीवों पर प्रकाश डालते हुए।उनके संरक्षण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वन्य जीव हमारी प्रकृति के लिए आवश्यक अंग हैं।हमें इनके संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए।वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष पाठक ने वन विभाग के कर्मचारियों और वन्य जीव संरक्षण से जुड़े कर्मियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि वन्य जीव की रक्षा हमारा प्रथम दायित्व है।जिसके लिए वनों का होना आवश्यक है।इस कार्य में लगे अभी कर्मचारी बधाई के पात्र हैं।समाजसेवी अनुराग कुमार पांडेय ने वन्य जीवों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्थानीय जंगलों में भालू,तेंदुआ,हिरण,बारहसिंगा,जंगली सुवरों,मगरमच्छ के अलावा अन्य जीवों का अस्तित्व देखा गया है।इनके संरक्षण के लिए समय समय पर जागरूकता के कार्यक्रम के आयोजन किए जाते रहे हैं।आम व्यक्ति का जागरूक होना वन्य जीवों के संरक्षण हेतु आवश्यक है।इनका जीवन पर्यावरण संतुलन के लिए महत्वपूर्ण है।मौके से वाचरों और वन्य जीवों के संरक्षण व वनों की रक्षा करने वाले दर्जनों उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर वन दरोगा अंजनी मिश्रा,राजन मिश्रा,अमिलेश यादव,संतोष सिंह समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

स्नातक/शिक्षक निर्वाचन हेतु भाजपा कार्यालय पर हुई बैठक

स्नातक/शिक्षक चुनाव में अधिक से अधिक स्नातक पास लोगों को बनवाये मतदाता–दिनेश तिवारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर । गोरखपुर–फैजाबाद स्नातकध शिक्षक निर्वाचन को लेकर भाजपा ने अपनी कमर कस ली है चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है । भारतीय जनता पार्टी कार्यालय अटल भवन पर स्नातकधशिक्षक निर्वाचन को जिला बैठक का आयोजन किया गया जिसे पूर्व क्षेत्रीय महामंत्री, स्नातकधशिक्षक चुनाव अवध क्षेत्र संयोजक दिनेश तिवारी ने सम्बोधित किया । बैठक को सम्बोधित करते हुए सर्वप्रथम उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को नमन् किया और कहा कि भारतीय जनता पार्टी गोरखपुर फैजाबाद स्नातक चुनाव में अपने जीत का परचम फहरायेगी ।

आप सभी कार्यकर्ताओं को आधिक से अधिक स्नातक पास लोगों और शिक्षण कार्य कर रहे लोगों को मतदाता बनाना है इसके लिए तृतीय वर्ष की मार्कशीट या डिग्री की सत्यापित फोटो कापी संलग्न करनी है । 1 नवम्बर 2019 या इससे पहले के पास सभी स्नातक मतदाता बन सकते हैं । आप फार्म 18 व फार्म 19 का प्रयोग करना है फार्म को सही तरीके से भरना है और फार्म के साथ सभी को फार्म भरवाकर कार्यालय पर जमा करना है 1 अक्टूबर से मतदाता बनने का कार्य शुरू हो गया है जिसकी अंतिम तारीख 7 नवम्बर है शासन द्वारा समय पर इसकी सूचना भी दी जायेगी । दिनेश तिवारी ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता बूथ स्तर तक सक्रिय हैं इसलिए मतदाता बनाने के कार्य में कोई मुश्किल नहीं होनी चाहिए सभी लोग लगकर स्कूल कालेजों में कार्यरत लोगों को भी मतदाता बनाये । उन्होंने इसकी निगरानी निरंतर करते रहने को कहा । भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बलरामपुर से अधिक से अधिक मतदाता बनाने का आश्वासन दिया । अभियान के संयोजक डॉ अजय सिंह पिंकू ने अतिथियों का स्वागत करते हुए उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया । बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह,स्नातक चुनाव संयोजक डॉ अजय सिंह पिंकू,क्षेत्रीय सह संयोजक सोशलमीडिया मनोज त्रिवेदी,जिला महामंत्री विष्णु देव गुप्ता,रवि कुमार मिश्रा,वरूण सिंह,बिंदु विश्वकर्मा,अंशुमान शुक्ला,राघवेश तिवारी,महेंद्र प्रताप सिंह,विधानसभा संयोजक,मंडल अध्यक्ष आदि कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही ।

सिरसिया जेठी में मां दुर्गा की मुर्ति हुई स्थापित

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र।करमा ब्लाक अन्तर्गत सिरसिया जेठी गॉव में माता रानी की प्रतिमा स्थापित की गयी भक्तों ने बढ़ चढकर हिस्सा लिया नव युवक दुर्गा पूजा समिति के आयोजक प्रदीप कुमार ने बताया कि मुर्ति की स्थापना की गयी दशहरा बाद कार्यक्रम का समापन होगा अधिक अधिक भक्त जन पहुचकर माता रानी का पुजन करें पूण्य के भागी बनें उक्त अवसर पर राजेश बिश्वकर्मा, बिमलेश बिश्वकर्मा, कमलेश बिश्वकर्मा, गणेश बिश्वकर्मा, समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में हर्षोल्लास से मनायी गयी महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री जयंती

दैनिक बुद्ध का संदेश

ओबरा/सोनभद्र। नगर के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा में 2 अक्टूबर रविवार को सत्य और अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी और भूतपूर्व प्रधान मन्त्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास से मनायी गयी। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ प्रमोद कुमार एवं प्राध्यापक गण द्वारा गांधी जी व शास्त्री जी के फोटोचित्र का अनावरण

कर,माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर किया गया।इसके बाद सामूहिक राष्ट्रगान कर गोष्ठी का आयोजन किया गया।इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ प्रमोद कुमार ने दोनो महापुरुषों के बलिदानो को याद करते हुए कहाँ कि जयंती का मुख्य उदेश्य यह है कि लोग इन महान पुरुष के विचारों को,उनके चरित्रों को अपने जीवन में आत्मसात करें।आज समाज को गांधी जी द्वारा दिखाए गए अहिंसा के पथ पर चलने की आवश्यकता है एवं लाल बहादुर शास्त्री के आदर्शो पथ विचारों पर चलने की आवश्यकता है।कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोफेसर डॉ राधा कांत पाण्डेय एवं डॉ महेंद्र प्रकाश ने गांधी जी व शास्त्री जी के आदर्शों एवं उनके नैतिक मूल्यों पर प्रकाश डाला एवं डॉ विभा पाण्डेय एवं डॉ महीप कुमार नें संयुक्त रुप से गांधी जी व शास्त्री जी के जीवन परिचय को विस्तार से बतलाया।कार्यक्रम का संचालन कर रहे प्राध्यापक डॉ संतोष कुमार सैनी ने दोनो महापुरुषों के जीवन और व्यक्तित्व व संघर्ष को लेकर विचार प्रस्तुत किया और गांधी जी का प्रिय भजन प्रघुपति राघव राजा रामष् प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया वही महेश कुमार पाण्डेय ने ष्वैष्णव जन को तेने कहिये जे पीर पराई जान रेष्भजन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ किरन सिंह,डॉ वीना यादव, डॉ वैशाली शुक्ला,एवं प्रमोद केशरी,धर्मेंद्र कुमार,अरुर कुमार,सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

वृद्ध दिवस के अवसर पर अटेवा ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों का किया सम्मान'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।अटेवा पेंशन बचाओ मंच उ०प्र० के प्रदेशीय आवाह्न पर जनपद सोनभद्र में भी अटेवा जिलाध्यक्ष राजकुमार मौर्य के नेतृत्व में पेंशन शहीद डॉ रामाशीष सिंह की स्मृति के अवसर पर आदर्श इंटर कॉलेज में सेवानिवृत्त शिक्षकध्कर्मचारियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।इस अवसर पर जनपद के विभिन्न विभागों से एन०पी०एस० व ओ०पी०एस० से आच्छादित सेवानिवृत्त शिक्षकध् कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आदर्श इंटर कॉलेज के प्रधानाध्यापक संतोष कुमार मौर्य ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना एक कर्मचारी के बुढ़ापे का आत्मसम्मान है।सरकार द्वारा वर्तमान साथियों के लिए चलायी गयी न्यु पेंशन स्कीम एक छलावा है इस स्कीम के तहत मिल रही धनराशि से जीवन जीना बहुत ही मुश्किल है।मण्डलीय मंत्री रामगोपाल यादव ने कहा कि एक तरफ तो हम तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में जाने जाते हैं वहीं दूसरी तरफ सरकार के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित करने वाले कर्मचारियों को पेंशन देने के लिए पैसा ही नही है।यह दोहरा चरित्र कत्तई बर्दाश्त नही किया जाएगा।आज के कार्यक्रम में सेवानिवृत्त अध्यापक बाबूराम ,आनंद, नर सिंह, तेजबली सिंह,ओमप्रकाश सिंह, कमलदेव, मोती चंद, उमाशंकर, रमा यादव, भगीरथ राम, राजकुमार, लल्लन सिंह,रामेश्वर देव, कमलनाथ, राजाराम,शिवपूजन ,बासमती देवी,रामअशीष का अंगवस्त्र व अटेवा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में सुरेंद्र नाथ वर्मा, मनोज यादव, प्रवीण सिंह, संजय सिन्हा, रामचन्द्र कुशवाहा, गणेश पांडेय सहित कई वक्ताओं ने भी संबोधित किया।संचालन कार्य रविप्रकाश सिंह मौर्य ने किया।कार्यक्रम में अटेवा संगठन का विस्तार करते हुए गोपाल सिंह कुशवाहा को जिला संयुक्त मंत्री व राजकुमार उपाध्याय को जिला सांस्कृतिक प्रकोष्ठ सह प्रभारी मनोनीत किया गया।कार्यक्रम के इस मौके पर सूर्यप्रकाश सिंह,कमलेश सिंह,सुबोध सिंह, ह्रदेश सिंह,मनोज यादव, प्रवीण सिंह,सुरेन्द्र नाथ वर्मा, राधेश्याम पाल,सर्वेश तिवारी, उमा सिंह, प्रभाशंकर मिश्रा,विनोद कुमार, राममूर्ति,राजेश बैस,राजकुमार उपाध्याय, संजय सिन्हा, रामचंद्र मौर्य, गणेश पांडेय, बृजेश महादेव,मनीष सिंह,,महेंद्र जायसवाल, साधू,दिलीप प्रदीप दूबे, अरुण तिवारी, मनोज यादव आदि लोग मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट ने 88 जोड़ों की कराई शादी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। शहर स्थित नवीन सब्जी मंडी प्रांगण में भारतीय

किसान यूनियन (टिकैत) के द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में सम्मिलित होने पहुंचे विशिष्ठ अतिथि समाजवादी पार्टी के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व प्रदेश महासचिव अरविंद कुमार सिंह गोप ने शादी समारोह में वर वधु को आशीर्वाद प्रदान किया। इस मौके पर पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप ने किसान यूनियन के राष्ट्रीय नेता आदरणीय राकेश टिकैत से भी मुलाकात की और कहा कि भारतीय किसान यूनियन बाराबंकी के जिला अध्यक्ष अनुपम वर्मा और उनकी पूरी टीम के द्वारा अठ्ठासी जोड़ों को शादी के बन्धन में बांधने का यह ऐतिहासिक कार्य है जो कई वर्षो से निरन्तर जारी है। इसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है।इस शादी समारोह के ऐतिहासिक कार्य को किसान यूनियन के संघर्षशील नेता पूर्व जिला पंचायत सदस्य स्व मुकेश सिंह वर्मा ने शुरू किया था जो आज नया इतिहास लिख रहा है। इस शादी समारोह में जिले भर से लगभग 10 हजार लोग सम्मिलित होते हैं।यह गरीबों के लिए मील का पत्थर साबित होता है।प्रत्येक लड़की व लड़के के परिवार वालों को पचास पचास लोगों को लाने का कमेटी की तरफ से आश्वाशन दिया जाता है। इतनी बड़ी संख्या में आने वाले लोगों के भोजन तथा शादी होने पर दहेज का भी इंतजाम करना बहुत बड़ा काम है।जो हर किसी के बस की बात नही है।इस मौके पर पूर्व विधायक राम गोपाल रावत, अजय वर्मा बबलू, हशमत अली गुड्डू नसीम कीर्ति, ताज बाबा,संदीप यादव,सोनू रावत,आदि हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर ट्राली का सफर हुआ जानलेवा

दैनिक बुद्ध का संदेश

मसौली बाराबंकी। ट्रैक्टर ट्राली का सफर जानलेवा है।ट्रैक्टर ट्राली में बैठकर सफर न करें। जीवन बहुमूल्य है।अपने जीवन की रक्षा के लिए आम जनता को सजग होना पड़ेगा।तथा ट्रैक्टर मालिकों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वह लोग नहीं सुधरेंगे तो पुलिस कड़ी कार्रवाई करेगीउक्त बातें रविवार को पंचायत भवन बड़ागांव में आयोजित ग्राम समाधान दिवस में उपस्थित ग्रामीणों से रूबरू होते हुए प्रभारी निरीक्षक शिवनरायन सिंह ने कही।उन्होंने कहा कि नाबालिग लड़कों के वाहन न चलाने व बिना लाइसेंस के वाहन न चलाने की अपील की।श्री सिंह ने कहा कि नियमों का उलंघन करने पर यातायात अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

दुर्गा पूजा समिति के वलिंटियरो को वितरित किया टीशर्ट

दैनिक बुद्ध का संदेश

प्रभारी निरीक्षक शिवनरायन सिंह ने दुर्गा पूजा समिति बड़ागांव के पदाधिकारियों से कहा कि कलश एव प्रतिमा जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से निकाले।तथा कोई नयी परम्परा का निर्वहन न करे।उन्होंने दुर्गा पूजा समिति द्वारा नामित किये गये दस वालंटियरों को ड्रेस कोड टीशर्ट का वितरण करते हुए कहा कि जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग सम्पन कराने में आप सभी की बड़ी जिम्मेदारी है।ड्रेस कोड में आप पुलिस के रूप में कार्य करेंगे।ग्राम समाधान दिवस में हल्का प्रभारी मुन्ना कुमार, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नूर मोहम्मद, दिनेश कुमार रस्तोगी, कल्लूराम यादव, रितेश यादव, शाहिद अली, मो0 गुफरान, पप्पू गौतम, रामलखन रावत, रामसनेही यादव, वीरेंद्र यादव, अरुण कुमार नाग, अंगद गौतम, डॉ0 मायाराम यादव, शब्बू खान,मुस्ताक राईन, सफी भाई, अकबर शाह, फय्याज, फहीम शाह, मो0 समी, नबी अहमद सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

कलाकारों के प्रदर्शन को देखने के लिए उमड़ा जनसैलाब

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। नवाबगंज तहसील अन्तर्गत ग्राम पंचायत अंबौर में इस नवरात्रि महापर्व के शुभ अवसर पर मा दुर्गा पूजा विगत कई वर्षों से पूरे ग्राम पंचायत वासियों के समर्थन से किया जाता है आपको बताते चले की यहां बेहतरीन कलाकारों ने झाकियों के ऐसा बेहतरीन प्रदर्शन किया कि सभी दर्शकों के मन प्रफुल्लित हो गए कार्यक्रम के कमेटी अध्यक्ष राजेंद्र मौर्या, जी ने बताया की हम लोग बिगत कई वर्षों से माताराती की सेवा अर्चना में लगे है माताराती हम सभी भक्तो पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखें हम माताराती से ऐसी कामना करते हैं इस अवसर पर, संजय कुमार लोधी, सतेन्द्र मौर्या, संजय मौर्या , प्रमोद अवस्थी , गुड्डू अवस्थी , हीरो मिश्रा आदि सभी भक्त गण उपस्थित रहे।

यूपी अंडर–19 क्रिकेट महिला टीम में आकांक्षा का चयन

देवरिया। देवरिया के गायत्रीपुरम की रहने वाली आकांक्षा मल्ल का चयन उत्तर प्रदेश अंडर–19 महिला टीम में हुआ है। ओपनर बल्लेबाज एवं राइट आर्म मीडियम पेसर के रूप में खेलने वाली यह खिलाड़ी पिछले कई वर्षों से रवींद्र किशोर शाही स्पोर्ट्स स्टेडियम के प्रशिक्षण शिविर की प्रशिक्षणार्थी हैं और प्रदेश की अंडर–16 टीम में भी अपनी प्रतिभा दिखा चुकी हैं। गायत्रीपुरम निवासी चंद्र प्रकाश मल्ल तथा शीला मल्ल की यह होनहार पुत्री चार भाई–बहनों में सबसे छोटी है। बचपन से ही क्रिकेट के प्रति लगाव के चलते इन्होंने इसके प्रशिक्षण के लिए स्पोर्ट्स स्टेडियम का रुख किया। कड़ी मेहनत का परिणाम है कि इनका उत्तर प्रदेश की अंडर–19 महिला टीम में हुआ है। स्टेडियम में क्रिकेट के प्रशिक्षक पवन कुमार ने बताया कि आकांक्षा का चयन कमला क्लब, कानपुर में आयोजित मैच में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर यूपी अंडर–19 टीम में किया गया है। चयनित टीम गुजरात में आठ अक्तूबर तक आयोजित टी–20 मुकाबले में गुजरात राज्य की टीम से ही खेलेगी। उधर, देवरिया क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव आईपी मिश्र ने बताया कि आकांक्षा के चयन से जिले में क्रिकेट में कॅरियर बनाने की इच्छुक अन्य लड़कियों को भी प्रेरणा मिलेगी। उनकी उपलब्धि पर एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन उपाध्याय, कोषाध्यक्ष नागेंद्र त्रिपाठी, वरिष्ठ संयुक्त सचिव कलाम खान के अलावा जिला क्रीड़ा अधिकारी राजनरायन प्रसाद, क्रिकेट छात्रावास के प्रशिक्षक अब्दुल अहद, विभागीय प्रशिक्षक रवि शर्मा, गिरीश सिंह, अमित कुमार पांडेय, धर्मेंद्र यादव, शाने हबीब आदि ने बधाई दी।

मुस्कुराती जिंदगानी चाहिए... सुनकर मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

महराजगंज। महराजगंज महोत्सव की पहली शाम जिले के लिए यादगार रही। कवि कुमार विश्वास व उनके साथ आए हास्य व वीर रस के कवियों ने उपस्थित भीड़ का भरपूर मनोरंजन किया। दर्शकों ने ताली बजाकर कवियों का स्वागत किया। पहले दिन के कार्यक्रम के चौथे चरण में कुमार विश्वास ने ...मुस्कुराती जिंदगानी चाहिए, शब्द की जागृत कहानी चाहिए, सारी दुनिया अपनी हो जाती है, बस उसकी मेहरबानी चाहिए...इन पंक्तियों को सुनकर दर्शक उत्साह से लवरेज हो गए। उनके साथ आए हास्य कवि विकास ने ...इस महंगाई में कन्हैया आए यदि कहीं, सच कहता हूं, रोटी–दाल मार डालेगी...सुनाकर समसामयिक समस्या को उकेरा। वीर रस के कवि प्रख्यात मिश्र ने... राम वही जो भारत की पहचान बनाने वाले हैं... पंक्तियां सुनाकर दर्शकों का मनोरंजन किया। इसके अतिरिक्त लखनऊ की कवयित्री सुमन दूबे व आगरा के कवि रमेश ने भी अपनी प्रस्तुति से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कवि सम्मेलन में जिले के सभी न्यायिक व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में दर्श उपस्थित रहे।

नौकरी की लालच में गंवाए 1.10 लाख रुपये

महराजगंज। सदर कोतवाली क्षेत्र के सतभरिया गांव निवासी एक व्यक्ति ने नौकरी पाने के लालच में एक लाख 10 हजार रुपये गवां दिए। उसने पुलिस को तहरीर देकर बाल संरक्षण विभाग में तैनात संविदा कर्मचारी पर नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने संविदा कर्मचारी पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र के सतभरिया गांव निवासी धर्मेंद्र शर्मा ने तहरीर में लिखा है कि वह अपनी गरीबी दूर करने के लिए नौकरी की तलाश में थे। इसी बीच एक व्यक्ति जक्की अहमद, निवासी अहिरौली से उनकी मुलाकात हुई, जो वर्तमान में बाल संरक्षण विभाग में संविदा कर्मचारी के पद पर तैनात है। संविदा कर्मचारी ने उन्हें विद्युत विभाग में नौकरी दिलाने की साझा देकर नौ जनवरी 2019 को एक लाख 10 हजार रुपये ले लिए। उन्हें विद्युत विभाग में अब तक नौकरी नहीं मिली। उसके बाद संविदा कर्मचारी से रकम लौटने की मांग की। उससे नाराज होकर कर्मचारी उन्हें मुकदमे में फंसाने की धमकी देने लगा। इतना ही नहीं, रकम लौटाने के काफी प्रयास करने पर संविदा कर्मचारी ने 15 हजार के चेक पर फर्जी हस्ताक्षर करके दे दिया। इस संबंध में सदर कोतवाल रवि राय ने कहा कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर संविदा कर्मचारी पर धोखाधड़ी सहित अन्य आरोपों में केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

एस बी टी पब्लिक स्कूल में गांधी जी और शास्त्री जी की जयंती मनाई गई

दैनिक बुद्ध का संदेश

गौरी बाजार देवरिया।गौरी बाजार क्षेत्र में स्थित एसबीटी पब्लिक

स्कूल परिसर में रविवार को महात्मा गांधी एवम पूर्व प्रधान मंत्री लालबहादुर शास्त्री जी का जन्म दिन धूम धाम के साथ उनके चित्र पर माल्यार्पण कर मनाया गया ।इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन एम एन त्रिपाठी ने्कहा कि भारत माता हमेशा वीर प्रसविनी रही है। जहां महात्मा गांधी जी का विचार आज पूरे विश्व को प्रेरणा देता है।अहिंसा और अश्पृश्यता विश्व शांति के मूल मंत्र है ।वही शास्त्री जी का कर्मयोग प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्पद है। इस दौरान विद्यालय के प्रशासक,उप प्रधानाचार्य, शिक्षक गण, बच्चे एवं अन्य शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

लूट का आरोपी गिरफ्तार

मिठौरा। लूट के आरोपी को पुलिस ने सिंदुरिया कस्बे से गिरफ्तार कर लिया। उसका चालान कर दिया गया है। उसके पास से कट्टा, कारतूस बरामद हुआ है। थानाध्यक्ष नासिर हुसैन ने बताया कि आरोपी मनीष यादव निवासी ग्राम मडार विन्दवलिया, नेबुआ नौरंगिया, जनपद कुशीनगर को बाइक, कट्टा, कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। उसके पास से लूट के छह हजार रुपये भी बरामद किए गए हैं।

उस्का बाजार में तीन सौ वर्षों से मनाई जा रही है ऐतिहासिक रामलीला

मेले में लगभग 35000 की संख्या में आते हैं श्रद्धालु

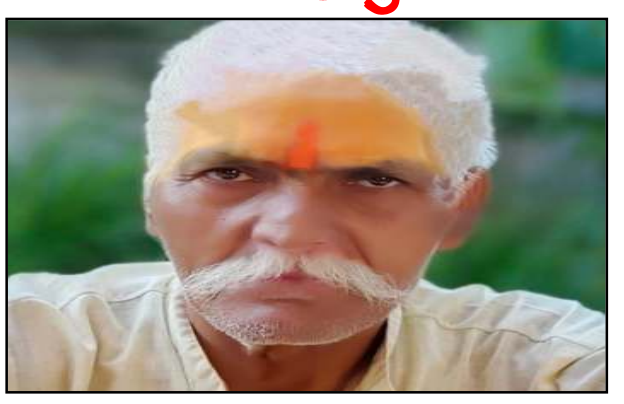

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। सिद्धार्थनगर जिले के उस्का बाजार में विगत 300 वर्षों से रामलीला का सजीव मंचन किया जा रहा है जहां राम लक्ष्मण व माता जानकी महल से निकलकर नाव पर सवार होकर वन के लिए जाते हैं।रविवार को श्री पयोहारी आश्रम के महंत लाल बहादुर दास, पुजारी रमाकांत शुक्ल व हनुमानगढ़ी मंदिर के पुजारी राधेश्याम द्विवेदी के नेतृत्व में राम वन गमन का सजीव मंचन किया गया।रामलीला मंचन के आयोजक पयोहारी आश्रम के महंत लाल बहादुर दास ने बताया कि विगत 300 वर्षों से यहाँ रामलीला का आयोजन होता है। लगभग छह पीढ़ियों से यहां रामलीला के मंचन का आयोजन किया जाता है। शुरुआती दौर में रामलीला मंचन मिश्रा इस्टेट के सहयोग से किया जाता था, धीरे धीरे बाजार के व्यवसायियों ने इसमें सहयोग करना शुरू किया, तबसे लगातार रामलीला का मंचन होता है। इस रामलीला की खास बात यह है यहां सब कुछ सजीव मंचन किया जाता है।

नगर में आज भी रामलीला का होता है सजीव मंचन

उसका बाजार में होने वाले रामलीला की खास बात यह है कि यहां कोई मंच या स्टेज नहीं बनाया जाता। यहां रामलीला का सजीव मंचन किया जाता है। जिस प्रकार भगवान श्री राम अपने अनुज लक्ष्मण व सीता के साथ वन में जाते हैं, उसी प्रकार वर्तमान समय में भी राम, लक्ष्मण व सीता नगर पंचायत से निकलकर नाव में सवार होकर वन की ओर जाते हैं। इसके अलावा अन्य सभी वृत्तांत का सजीव मंचन किया जाता है। इसी प्रकार रामजी लंका पर चढ़ाई करने के लिए काल्पनिक लंका राज्य (रामलीला मैदान) में जाते हैं जोकि बाजार से करीब 2 से 3 किलोमीटर दूर है और रावण का वध कर वापस पयोहारी आश्रम पधारते हैं। इसके बाद भरत मिलाप कार्यक्रम आयोजित होता है जहां भगवान श्रीराम नगर पंचायत रूपी अयोध्या नगर में भरत की अगवानी के बाद प्रवेश करते हैं। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा भगवान राम की पूजा अर्चना व आरती की जाती है। रामलीला के मंचन में शहर के सभी व्यापारी व गणमान्य मौजूद रहते हैं। करीब दस दिनों के रामलीला मंचन का समापन भी यहीं होता है। आज भी यह मंचन लगभग 11 एकड़ भूमि में फैले रामलीला मैदान में किया जाता है। इस दौरान रावण के पुतले का दहन भी किया जाता है जिसमें भगवान श्री रामचंद्र हाथी पर सवार होकर रावण के पुतले का दहन करते हैं। इसके बाद हाथी द्वारा रावण के पुतले को कुचला जाता है। आश्रम के पुजारी रमाकांत शुक्ला ने बताया कि मेले में लगभग 30 से 35 हजार की संख्या में भीड़ इकट्ठी होती है। इसके अलावा लगभग 3000 छोटी बड़ी दुकाने मेले में लगती है।

मेले में सुरक्षा के होते हैं कड़े इंतजाम

रामलीला मैदान रेलवे ट्रैक से एकदम सटा हुआ है। यहां प्रशासन की मुस्तैदी हमेशा रहती है। कुल 20 पुलिसकर्मी मेले की सुरक्षा में लगे हुए हैं जिसमें पंद्रह आरक्षी, तीन एसआई, दो एसओ सहित कुल 20 पुलिसकर्मियों द्वारा मेले की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा रेलवे प्रशासन को भी सूचित कर दिया गया है। स्टेशन से कोल्हुआ ढाला तक लगभग 5 किलोमीटर तक की दूरी में गाड़ी की रफ्तार 10 किलोमीटर प्रति घंटा की चाल से चलाई जाती है जिससे कोई अप्रिय घटना ना हो सके। मेले का आयोजन सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक चलता है। प्रशासन द्वारा पूरी भीड़ को मैदान से हटाकर कस्बे तक पहुंचा दिया जाता है। मैदान खाली होने के बाद ही प्रशासन का जत्था वहां से रवाना होता है । इस दौरान ट्रैक पर लगातार 8 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी भी लगाई जाती है जो रेलवे ट्रैक से श्रद्धालुओं को दूर रखते हैं।

एक ही पुल से पैदल, छोटे व बड़े वाहनों सहित ट्रेन की होती थी आवाजाही

32 साल पहले उसका बाजार में एक ऐसा पुल था जिस पर पैदल दोपहिया चार पहिया बड़े वाहन व ट्रेन की आवाजाही होती थी। ट्रेन आने पर प्रशासन व रेलवे की मदद से लोगों को रोक दिया जाता था। इसके बाद पहले दो पहिया, फिर चार पहिया वाहनों को निकाला जाता था। सबसे अंत में बड़े वाहनों को पुल पार कराया जाता था। व्यवस्था ऐसी थी कि अभी तक कोई चूक सामने नहीं आयी। यह पुल वर्तमान में भी है जिस पर दो पहिया और पैदल लोगों की आवाजाही होती है। रेलवे के लिए अलग पुल का निर्माण किया जा चुका है। इसके अलावा बड़े वाहनों के लिए अन्य नए पुल का निर्माण किया जा चुका है।

लाखों रुपये के बचाव कार्य पर फिरा पानी

रुद्रपुर। पिड़रा पुल पर आवागमन बहाल करने के छह दिन के प्रयास पर गोर्रा नदी ने पानी फेर दिया है। शाम से तेज कटान कर रही नदी अब 30 मीटर के दायरे में भीषण तबाही मचा रही है। आवागमन बहाल करने के लिए डाली गई मिट्टी बह जाने से हालात बेकाबू हो गए हैं। कटान स्थल का जायजा लने पहुंचे डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह और एसपी संकल्प शर्मा ने बचाव कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशासन को पिड़रा पुल से हर साल होने वाली दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन पर रोक के निर्देश दिए। रुद्रपुर–पिड़रा मार्ग पर बड़ी गाड़ियों का संचालन दोबारा रोक दिया गया है। इसके लिए रुद्रपुर के आदर्श चौराहा सहित तीन जगहों पर बैरियर लगा दिया गया है। यहां 30 मीटर सड़क के पूरी तरह कटने का खतरा हर क्षण बढ़ता जा रहा है। नदी के रौद्र रूप अख्तियार कर लेने से लोक निर्माण विभाग का कोई वश नहीं चल रहा है। कटान रोकने की छह दिन से हो रही कवायद बेकार हो गई है। अब तक बचाव कार्य में करीब 30 लाख रुपये खर्च कर चुके विभाग को कुछ समझ नहीं आ रहा है। सुबह सड़क के किनारे खड़े दो दर्जन पेड़ कट कर नदी में समा गए। कटान इतनी तेज हो रही है कि पुराने कटान स्थल से आगे बढ़ कर नदी सड़क को तेजी से नुकसान पहुंचा रही है। नदी के तेजी से कटान कर आगे बढ़ने से पिड़रा गांव पर भी खतरा मंडराने लगा है। पिड़रा पुल के उत्तरी छोर पर रविवार 25 सितंबर को अचानक कटान होने से पुल का एप्रोच धंस गया। आधा से अधिक पक्की सड़क कट कर नदी में बह गई। इस कारण आवागमन रोकना पड़ा। करीब पांच दिन बचाव कार्य के बाद रास्ता बहाल किया गया, लेकिन शाम को अचानक नई पटान कट जाने के पांच मिनट बाद आवागमन रोकना पड़ा। सुबह कटान पूरी तरह बेकाबू हो जाने से स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता आरके सिंह ने कहा कि नदी के बैक रोल करने से अब तक की मेहनत बेकार हो गई है। कटान रोकने के लिए नए सिरे से प्रयास किए जा रहे हैं। डीएम जेपी सिंह ने कहा कि स्थिति सामान्य होने तक रुद्रपुर–पिड़रा मार्ग पर गाड़ियों का संचालन रोक दिया गया है। पुल से दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन नहीं किया जाएगा। बचाव कार्य जल्द पूराकर स्थिति सामान्य करने की कोशिश हो रही है।

एसएसबी के 33 जवान रक्तदान कर बने महादानी

महराजगंज। एसएसबी 66वीं वाहिनी कैंप कार्यालय परिसर में अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान 33 जवानों ने रक्तदान किया। शिविर में डॉक्टरों ने सबसे पहले जवानों के सेहत की जांच की, उसके बाद रक्तदान कराया। रक्तदान सुबह 10 बजे से दोपहर बाद एक बजे तक कराया गया।

एसएसबी 66वीं वाहिनी के द्वितीय सेना नायक वरुण कुमार एवं क्षेत्राधिकारी नौतनवां अनुज कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से शिविर का शुभारंभ किया। दोनों अधिकारियों ने जवानों का उत्साहवर्धन करते हुए रक्तदान से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी। द्वितीय सेना नायक ने कहा कि रक्तदान करने से न सिर्फ आप दूसरों की जिंदगी बचाते हैं, बल्कि यह आपके स्वास्थ्य के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।

इस दौरान उप सेना नायक पवन कुमार शर्मा, जीडी चिकित्साधिकारी डॉ. जाबिर अली शेख, सहायक सेना नायक जंग बहादुर यादव, निरीक्षक राजीव तिवारी, प्रवीन कुमार, एएसआई बृजमोहन, मनोज यादव, रविंद्र सिंह आदि मौजूद रहे। शिविर को सफल बनाने के लिए एसएसबी 22 वीं वाहिनी के जवान वेद प्रकाश पांडेय एवं शिक्षक सुधीर कुमार त्रिपाठी ने विशेष योगदान किया। शिविर में कुल 60 लोग शामिल हुए। रक्तदान करने वाले एसएसबी जवानः 66वीं वाहिनी एसएसबी जवान अनंत कुमार, विशाल, मनोज सावंत, राहुल आनंद, डोंगरे संतोष, परमार निकुल, साक्या, एसएस रेड्डी, नरेश मुकवामा, विनोद, नीरज, गोपीचंद, पी धनंजय, सरफराज ने रक्तदान किया। इसी तरह चुनाराम, सुजीत, संजीव, सुरेंद्र, महेंद्र, मिथिलेश, घरभरन, अश्वनी, आशिफा, मिलन, पंकज, ब्रज बहादुर, नागेरा कांजी, जोगेंद्र लाल, संतोष नेगी, समरजीत, कुंदन कुमार सिंह, रविंद्र गौड़, संतोष सिंह आदि ने भी रक्तदान किया। इन कर्मियों के सहयोग से हुआ रक्तदानः जिला अस्पताल के ब्लड बैंक के डॉ. अनिकेत रंजन, रामाश्रय, आनंद, मुकेश, शिवराम, इसरावती, अजीत, उमेश, चंद्रदेव चौधरी ने रक्तदान कराया।

गांधी और शास्त्री के प्रतिमाओं पर किया माल्यार्पण

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज / सिद्धार्थनगर।राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जन्म जयंती पर डुमरियागंज स्थित इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएसन कार्यालय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पत्रकारो ने रविवार को महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की और इस मौके पर उनके योगदान को भी याद किया गया।इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि महात्मा गांधी स्वच्छता को हमेशा आगे रखते थे और आमजन को जागरूक करते थे। और प्रधानमंत्री रहते हुए स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी और देश को एक करते हुए जय जवान जय किसान का नारा दिया। ऐसे योद्धा को पूरा देश नमन कर रहा है और आज उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।वही कार्यक्रम को मेहदी रिज्वी,हाशिम रिज्वी,बिजय यादव व देवी प्रसाद ने भी संबोधित किया।इस अवसर पर जी एच कादिर, अजीम रिज्वी,पुरूषोत्तमदूवे,संदीपदूवे,देवानंद पाठक,कुलदीप दूवे,शैलेन्द्र दूवे,आलोक श्रीवास्तव,आफताव रिज्वी,मोहम्मद सैफ,आदित्य सिंह,बिजयपाल चतुर्वेदी,मोहम्मद इस्माइल,सच्चिदानंद मिश्र,प्रमोद श्रीवास्तव,वसीम अकरम,मोहम्मद अफसर,मोहम्मद अरवाज सहित तमाम पत्रकार उपस्थित रहे।

बीएसएन ग्लोबल स्कूल में धूमधाम से मनाई गांधी और शास्त्री जयंती

गांधी और शास्त्री जयंती पर बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। बीएसएन ग्लोबल स्कूल बेलावं उर्फ शाहपुर, बेलघाट के तत्वावधान में रविवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 153 वीं जयंती तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के 118 वीं जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। ध्वजारोहण और राष्टगान के बाद गांधी और शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया। सभी अध्यापकों और बच्चों ने भी गांधी और शास्त्री के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।इस अवसर पर पोस्टर मेकिंग और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कक्षा चार से आठ में पढ़ने वाले बच्चों ने प्रतिभाग किया।प्रतियोगिता में गांधी और शास्त्री के जीवनी व व्यक्तित्व से सम्बंधित सवाल पूछे गए। जिसमें प्रथम स्थान पर आलोक द्वितीय स्थान पर आजाद गुप्ता और तृतीय स्थान पर कृति रही। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृति पासवान, याशमीन और पलक ने क्रमशः प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।विद्यालय के निदेशक जे के जायसवाल ने कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री का व्यक्तित्व और कृतित्व अतुलनीय रहा हैं। दोनों महापुरुषों का जीवन दर्शन आज भी हम सबका मार्गदर्शन करता हैं।सत्य और अहिंसा की धारणा को आत्मसात करने वाले गांधी जी भारत के साथ इस प्रकार से एक रूप हो गए थे कि वे मोहनदास करमचंद गांधी से महात्मा बन गए। सादा जीवन उच्च विचार को अपने जीवन में आत्मसात करने वाले शास्त्री जी के जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए।दोनों महान हस्तियों ने अपने कार्यों और विचारों से देश और दुनियाभर के जनमानस पर अपनी एक अमिट छाप छोड़ी है।विद्यार्थियों ने भी भाषण और कविताओं द्वारा दोनों महापुरुषों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर दीपक सिंह, वर्षा श्रीवास्तव,चन्द्रकला मौर्य, चन्द्रमति यादव, कुसुम, सुमन,प्रतिभा, बबीता आदि मौजूद रहे।

दो अक्टूबर गांधी जयंती को सभी को संकल्प लेना चाहिए–राजेश त्रिपाठी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। गोला तहसील के अंतर्गत बड़हलगंज ब्लाक में स्थित सोनी

मैरिज हाल में गांधी जयंती का आयोजन किया गया। जिससे मुख्य अतिथि के रूप में चिल्लूपार के बिधायक राजेश त्रिपाठी जी थे। महात्मा गांधी जी और पूर्व प्रधान मंत्री लालबहादुर शास्त्री जी के पुष्प चढ़ाएं और अपने संबोधन में कहा कि गांधी जी और शास्त्री ये हमारे देश की महान विभूतिया थे। इनके गुणों को हम लोगों को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांधी जी के चरखा चलाने से आजादी दिलाने का अभिप्राय नहीं है बल्कि चरखा चलाने का अभिप्राय यह था कि लोग अपने मेहनत से सूत काटकर कपड़े का निर्माण करें जिससे हम दुसरे पर आधारित न हो।जब हम अपने देश की निर्मित बस्तुओ का उपयोग करेंगे तब हम आत्मनिर्भर बनेंगे। लालबहादुर शास्त्री के अनुसार जीवन में सादगी और ईमानदारी को धारण करना चाहिए। जैसा कि कहा जाता है कि शास्त्री जी जब रेलमंत्री थे तब अपनी माता जी से कहते थे कि मैं रेलवे में नौकरी करता हूं। वह अपनी मां को भी नही बताये, ताकि मां किसी से यह न कह सके कि मेरा बेटा रेलमंत्री है।

बहुत परेशानियों में हूं मगर मैं मस्त रहता हूं

सोन साहित्य संगम ने गाँधी और शास्त्री जी को किया याद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सत्य– अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री सरलता सादगी व ईमानदारी के प्रतिमूर्ति लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती समारोह संस्था के नगर स्थित कार्यालय पर उल्लास पूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर संस्था से जुड़े कवियों ने अपनी रचनाओं के द्वारा भारत माँ के दोनों महान सपूतों को श्रद्धा सुमन अर्पित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार व संस्था के उपनिदेशक सुशील राही ने और सफल संचालन संयोजक राकेश शरण मिश्र ने किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जाने माने गीतकार ईश्वर बिरागी, विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार अमरनाथ श्अजेयश् उपस्थित रहे। साहित्य मनीषियों द्वारा माँ सरस्वती, महात्मा गांधी व शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण, द्वीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पित करके गोष्ठी की शुरुआत की गई तथा राष्ट्र नायकों को शत शत नमन कर उन्हें याद किया गया। तदोपरांत उपस्थित कवियों अमरनाथ अजेय, सरोज सिंह, सुशील राही, मदन चौबे, राधेश्याम पाल,गोपाल जी कुशवाहा, धर्मेश चौहान, प्रभुनारायण सिंह, राकेश शरण मिश्र एवं कवयित्री कौशल्या कुमारी द्वारा दोनों महान विभूतियों के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर आधारित अपनी लब्ध प्रतिष्ठित रचनाएं सुना कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये गए।गोष्ठी की शुरुआत कवि सुमन सुनाकर लोगो को वाह

वाह कहने पर मजबूर कर दिया। सरोज सिंह द्वारा सरस्वती वंदना से किया गया। तत्पश्चात प्यार हमको वतन बांटता है सरोज सिंह ने सुनाकर लोगो की वाहवाही लूटी। वही कवि गोपाल सिंह कुशवाहा ने अर्पित करे श्रद्धा सुमन सुनाकर लोगो को आनंदित कर दिया। वही कवि राधेश्याम पाल ने ष्आजादी तूम आज भी झूठी हो सुनाकर देश की वर्तमान दशा पर करारा चोट किया। कवि ध्र्मेश चौहान ने देश से कुछ भी बड़ा नही है इंसान के लिए सुनाकर लोगो को राष्ट्रीय भावना से ओत प्रोत कर दिया।

महिला कवयित्री कौशल्या कुमारी ने ष्गांधी अगर ना होते तो कैसे खिलता मेरा चमनष् के द्वारा बापू को अपना श्रद्धासुमन अर्पित किया। गोष्ठी के विशिष्ट अतिथि कवि अमरनाथ अजेय ने बेहतरीन गीत सुनाकर लोगों को श्रृंगार रस में डुबोने का सफल प्रयास किया। बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित कवि ईश्वर बिरागी ने ष्गन्ध अल्को में समाए ठहर जाओ सुनाकर खूब तालियां बजवाई। वही गोष्ठी का सफल संचालन करने वाले राकेश शरण मिश्र ने बहुत परेशानियों में हूँ मगर मैं मस्त रहता हूँष् सुनाकर श्रोताओं को वाह वाह कहने के लिए मजबूर कर दिया। और अंत मे गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे सुशील राही ने मेरे आस्तीनों में बसने वाले साँप सहित एक से बढ़कर एक मुक्तक सुनाकर खूब तालियां बटोरी।अंत मे संस्था के संयोजक राकेश शरण मिश्र ने आये हुए सभी कवियों व अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कवियों के अतिरिक्त श्रोताओं में आकाश मिश्र, बच्चा चौबे, अनुराग,अनिल कुमार मिश्र, अभय सिंह, नीलेश मिश्र, विकास केशरी सहित तमाम साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार कार जा टकराई चार दीवारी,बाल बाल बचे कार सवार

दैनिक बुद्ध का संदेश

अनपरा/सोनभद्र।अनपरा थाना क्षेत्र अन्तर्गत तेज रफ्तार अनियंत्रित कार न्च37क्7575 अमर उजाला ऑफिस के बोर्ड को तोड़ते हुए, न्यू रेस्टोरेंट की चार दिवारी पर कार चढ़ाते हुए,चाहरदीवाली से जा टकराई, बताते है चार युवक इसमें बाल बाल बचे। प्राप्त जानकारी अनुसार अनपरा बाजार स्थित विस्मिला चक्की गली निवासी दीपक शाह पुत्र मूंगा लाल शाह उम्र तकरीबन 27 वर्ष शनिवार की रात तकरीबन 12.00 बजे अपनी कार से रेणुकूट की ओर जा रहा था तभी अचानक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर काशी मोड़ समीप देशी चूल्हा (बनारसी मिष्ठान) की चार दिवारी से जा टकराई जिसके कारण कार सहित चार दिवारी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई ! घटना के दौरान कार सवार दीपक शाह व अन्य एक सवार युवक सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

दिव्यांग क्रिकेटर लव वर्मा को मिला राष्ट्रीय खेल रत्न पुरस्कार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।जनपद के अनपरा क्षेत्र के रहने वाले अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेटर लव वर्मा को स्वर्ण भारत परिवार ट्रस्ट की तरफ से उन्हें राष्ट्रीय खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है । यह पुरस्कार लव वर्मा को उनके भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम में वाराणसी में बांग्लादेश के खिलाफ, दुबई के शारजाह में दिव्यांग प्रीमियर लीग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, अनपरा क्षेत्र में रहकर ऊर्जान्चल के युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए दिया गया है । बता दें कि लव वर्मा को यह पुरस्कार 2020 में भी मिल चुका है और इन्हें फिर से एक बार राष्ट्रीय खेल रत्न पुरस्कार मिलने से अनपरा के खिलाड़ियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। देश भर से लगभग 1500 दिव्यांग खिलाड़ियों ने आवेदन किया था जिसमें से सर्वश्रेष्ठ 100 खिलाड़ियों का चयन किया गया। जिसकी घोषणा स्वर्ण भारत परिवार ट्रस्ट के संस्थापक पीयूष पंडित, ट्रस्टी डॉ. रोशनी लाल, कंचन शर्मा जी ने किया । लव वर्मा को राष्ट्रीय खेल रत्न पुरस्कार मिलने पर दिव्यांग क्रिकेट कंटरोल बोर्ड ऑफ इंडिया के महासचिव हारून राशीद, क्रिकेट परफॉरमेंस पॉइंट के डायरेक्टर आरिफ हुसैन, गुरुनानक क्रिकेट क्लब के पूर्व कप्तान सतेंद्र कंग, दानवीर सिंह एवं सोनभद्र के तमाम खिलाड़ियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जी को नहीं भूल सकता देश का नौजवानः आशु

- देश के 2 महापुरुषों की है आज जयंती
- माल्यार्पण कर किया उनके त्याग ब्बलिदान को याद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी व पूर्व–द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती मनाई । आशू दुबे ने कहा कि अहिंसा के रास्ते के साथ जिस तरीके से सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर ब्रिटिश हुकूमत को देश से बाहर निकालने का काम बापू जी ने किया , उससे हम सभी नौजवानों, युवाओं को एक सीख लेनी चाहिए । यह देश सर्वधर्म समभाव का है ,हम सब एक हैं। आज वर्तमान परिवेश में जिस तरह की स्थितियां हमारे आसपास व्याप्त है यह कहीं ना कहीं बापू की सोच के विपरीत है जिसकी हम निंदा करते हैं । जहां एक और ब्रिटिश के खिलाफ महात्मा गांधी जी लगातार पदयात्रा कर लोगों को जोड़ते हुए इस देश को आजाद करने का काम किये ,ब्रिटिश हुकूमत ने अपना हथियार उनके सामने रखा लेकिन गांधी की हत्या नहीं कर पाए , लेकिन हमारा दुर्भाग्य है कि देश आजाद होने के बाद गांधी जी की हत्या इसी देश में हुई।इसको भी हम कभी भूल नहीं पाएंगे । वहीं दूसरी ओर भारत देश के द्वितीय प्रधानमंत्री रहे स्व0 लाल बहादुर शास्त्री जी जो करीब 18 महीने तक प्रधानमंत्री रहे उनके द्वारा किए गए कार्यों को और उनकी भावना जो देश के आम जनमानस के साथ जुड़ी हुई थी उसको देखने पढ़ने से हमें जो सीख मिलती है वह अद्वितीय है । उसमें कहिध् किसी से भी नफरत करने की बात सामने नहीं आती , लाल बहादुर शास्त्री जी ने जो नारा दिया था जय जवान– जय किसान उसमें जितना दूर तक हम समझ सके हमे समझना चाहिए , क्योंकि हम जानते हैं की खेतों में किसान और बॉर्डर पर जवान अगर नहीं रहेगा तो ,ना ही हमारा देश सुरक्षित रहेगा और न देश के अंदर रहने वाले लोग सुरक्षित रह पाएंगे , क्योंकि वह भूखे मर जाएंगे । इस तरीके के लोग हमारे देश में रहे आज हम सब उनको याद करते हैं और प्रेरणा भी लेते हैं । कांग्रेस नेता मनोज मिश्रा ने कहा कि एक लाठी के सहारे महात्मा गांधी जी ने पूरे देश को अपने पांव से नाप दिया था इससे हम युवाओं को एक सीख मिलती है। कांग्रेस नेता गौतम आनंद जी ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री जी की किसानों के प्रति जो भावना थी ,जो सोच थी,वह अद्वितीय है ।वो किसानों को बहुत महत्व दिया करते थे ,क्योंकि वह जानते थे कि अगर खेत–बार में किसान नहीं रहेगा तो पैदावार नहीं होगी और हमारा देश गुलाम हो जाएगा । कांग्रेस नेता दीपक कोहली ने कहा कि आज व्यापारी, किसान, नौजवान सब परेशान हैं हमें फिर गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जरूरत है । शिव शंकर सोनकर ने कहा कि नौजवान दर–दर की ठोकरें खा रहा है आज महापुरुषों की जयंती पर हम उनको याद करते हैं कि पूर्व में किस तरीके से नौजवानों सम्मान हुआ करता था जो आज नहीं है ।

गांधी जी के सपने को साकार करें युवाःसौरभ कांत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।सदर ब्लॉक के देवरी खुर्द गांव स्थित स्मृति वाटिका जहां नमक कानून भंग हुआ था ऐसे पावन स्थल पर गांधी जयंती के अवसर पर प्रभात फेरी निकालकर गोष्ठी का आयोजन किया गया।युवा भारत ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्षध्यूथ आइकॉन सौरभ कांत पति तिवारी ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मागांधी ने देश की आजादी के लिए कड़ा संघर्ष किया और बहुत यातनाएं भी झेली,सत्याग्रह आंदोलन,अंग्रेजो भारत छोड़ो,चंपारण सत्याग्रह,खिलाफत आंदोलन,असहयोग आंदोलन,दांडी मार्च समेत कई ऐसे आंदोलन चलाये जिससे देश की जनता जाग उठी और लोगों ने अपने देश के आजादी के लिए सड़क पर उतर कर आंदोलन सुरु कर दिया।गांधी जी को महात्मा की उपाधि रवीन्द्रनाथ टैगोर ने दिया।गांधी जी के राजनैतिक गुरु गोपाल कृष्ण गोखले थे।वहीं युवक मंगल दल के जिला कार्य समिति सदस्य,रमेश यादव,नागेन्द्र विश्वकर्मा एंव ग्राम पंचायत संरक्षक शिवशंकर पति तिवारी,राजकुमार,शिवाकांत ने कहा कि गांधी जयंती के अवसर पर हमारे देश के प्रधानमंत्री जी द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा भी चलाया जाता है।जिसमे हमारे संगठन युवा भारत एंव युवक मंगल दल का अहम योगदान रहा है।उन्होंने कहा कि पूरे जनपद भर के युवा युद्ध स्तर पर स्वच्छता पखवाड़ा चलकर लोगों को जागरूक किया जाएगा।उक्त अवसर पर देवरी खुर्द प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक एंव छात्रध्छात्राओं ने भी स्मृति वाटिका पहुंचकर देशभक्ति के नारे से लोगों में देशभक्ति का भाव भर दिया।वहीं शिक्षक व शिक्षिकाओ ने गांधी जी के जीवन पर प्रकाश डाला।उक्त अवसर पर श्यामसुंदर,राहुल यादव,श्रेया,सक्षम,चिराग,पार्थ आदि लोग उपस्थित रहे।

मां दुर्गा, भगवान राम माता सीता के वेश में सजे बच्चों ने मोहा सबका मन

- हेलो किड्स प्ले स्कूल में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का हुआ आयोजन
- नन्हे-मुन्ने बच्चों ने दी रामलीला की प्रस्तुति

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला मुख्यालय राबर्ट्सगंज के धर्मशाला रोड पर स्थित हेलो किड्स प्ले स्कूल में महानवमी और दशहरा के उपलक्ष्य में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मां दुर्गा, भगवान श्री राम, माता सीता और हनुमान का रूप धारण किए हुए नन्हे मुन्ने बच्चे और बच्चियां मैं वहां उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस दौरान बच्चों ने रामलीला का प्रस्तुतीकरण किया। जिसमें बच्चों ने रामायण की याद ताजा कर दी। इस मौके पर स्कूल प्रबंधक चंद्र प्रकाश सिंह ने बच्चों को नवमी और दशहरा की बधाई देते हुए असत्य पर सत्य की जीत विजयादशमी त्योहार के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर विद्यालय की शिक्षिका पूजा सिंह, अंजलि, मीनू सोनी, रजनी अग्रहरि सहित विद्यालय के शिक्षक एवं अभिभावक गण उपस्थित है।

अंतराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर जागरूकता शिविर का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने निर्देशो के अनुसार अशोक कुमार यादव प्रथम माननीय जनपद न्यायाध्ीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार विनय कुमार सिंह,सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र के द्वारा 02 अक्टूबर 2022 गांधी जयंती अंतराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर ग्रामोदय इंटर कॉलेज तीनताली, बहुआरा तहसील रॉबर्ट्सगंज के परिसर में प्रातः 11.00 बजे राष्ट्रपिता महात्मा गांध्ी के स्वतंत्रा आंदोलन पर उनके योगदान पर प्रकाश डालकर विध्िक जागरूकता शिविरध्गोष्टी का आयोजन किया गया। सचिव विनय कुमार सिंह द्वारा जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सत्य, अहिंसा के पथ पर चलने हेतु आह्वान किया तथा महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री के सिधान्तो और उनके विचारों से अवगत कराया गया और उपस्थित बालको को गांधी द्वारा बताए गए सिद्धान्तों और उनके बिचारो को अपनाते हुए सही मार्ग पर चलने हेतु प्रेरित किया। अंत मे राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया तथा लोगो को मध्यस्थता का रास्ता अपनाने की जानकारी प्रदान की गयी। सचिव द्वारा बताया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अंतर्गत मध्यस्थ होते है,जो प्री लिटिगेशन तथा न्यायालय द्वारा मध्यस्था हेतु भेजी जाने वाली पत्रावलियों में सुलह–समझौते कराने का प्रयास कराना है।इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य हरिदास खत्री,सामाजित कार्यकर्ता उमाशंकर सिंह, वरिष्ठ लिपिक जहिरुल हसन जैदी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पराविधिक स्वम सेवक राजन चौबे व मनोज दीक्षित सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे। उपरोक्त जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विनय कुमार सिंह ने दी है।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का अधिवेशन 10 अक्टूबर को

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का ग्यारहवा द्विवार्षिक अधिवेशन माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कालेज के सभागार में 10 अक्टूबर को आयोजित है। मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी संजीव रंजन होंगे।आज जिलाधिकारी से मिलकर विशेष अवकाश के लिए पत्र एवं आमंत्रण पत्र दिया गया।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष आशोक त्रिपाठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामकरन गुप्ता, जिलामंत्री शिवाकांत पाण्डेय, वाई0के0द्विवेदी,डीएन त्रिपाठी,डीपीए अध्यक्ष वाई0पी0यादव, मन्त्री गोविन्द ओझा,विजय वर्मा आदि उपस्थित रहे।

म्योरपुर में सुर्पड़खा नासिका भंग व सीता हरण रामलीला का हुआ मंचन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर में चल रहे श्री रामलीला के सातवे दिन शनिवार की रात्रि में सूर्पनखा की नाक कटने, सीता हरण व जटायु प्रसंग का मनमोहक मंचन किया गया लीला की शुरुवात पंचवटी में रावण की बहन सूर्पनखा विचरती हुई पहुंचती है। राम लक्ष्मण को देखकर मोहित हो जाती है। वह राम व लक्ष्मण से बारी–बारी से विवाह का प्रस्ताव देती है दोनों मना कर देते हैं कहते हैं कि उनकी शादी हो चुकी है, ऐसे में दूसरी शादी नहीं कर सकते तो वह गुस्से में सीता की ओर झपटती है तो लक्ष्मण ने सूर्पनखा का नाक काट देते हैं। वह खर, दूषण के पास जाती है बुआ की कटी नाक देख कर दूषण राम और लक्ष्मण से युद्ध करने जाते है और बीर गति को प्राप्त हो जाते है उनकी मृत्यु के बाद सूर्पनखा रावण के पास जाती है और आपबीती बताती है। रावण सोच में पड़ जाता है। वह सोचता है कि खरदूषण का मारा जाना कोई साधारण बात नहीं है। अपने मित्र मारीच को रावण माया मृग बनाकर पंचवटी में जाने को कहता है। सीता मैया श्रीराम को उस मृग को लाने को कहती हैं। राम और लक्ष्मण माया मृग के पीछे चले जाते हैं। इसी बीच रावण साधु का वेश बनाकर आता है और सीता का हरण कर ले जाता है।हरण कर कर ले जाते वक्त गिद्ध राज जटायु रावण को रोकने का प्रयास करते है पर रावण द्वारा जटायु का पंख को काट दिया जाता है हजारो की संख्या में राम लीला मंचन देखने आए ग्रामीण भाव विभोर हो जाते है उधर सुरक्षा के दृष्टि से म्योरपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह थाना क्षेत्र के गांव में चक्रमण करते नजर आए इस दौरान हिंडाल्को विकास विभाग के अधिकारी को कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता,उपाध्यक्ष पंकज सिंह,सहकोषाध्यक्ष संदीप अग्रहरी,मंत्री राज अग्रहरी द्वारा अंग वस्त्र भेट कर समानित भी किया गया बता दे कि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कमेटी के आर्थिक मदत की जाती है इस दौरान मंडली के अध्यक्ष सत्यपाल सिंह,अंकित कुमार,रंजन,सुनील,श्यामू, रामु,वालेंटियर प्रमुख आलोक अग्रहरीआदि कलाकार मौजूद रहे।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

किस डाइट और एक्सरसाइज से हमेशा फिट रहते हैं रणबीर कपूर?

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर ने बर्फी, रॉकस्टार और ब्रह्मास्त्र जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से कई लोगों को आकर्षित किया है।

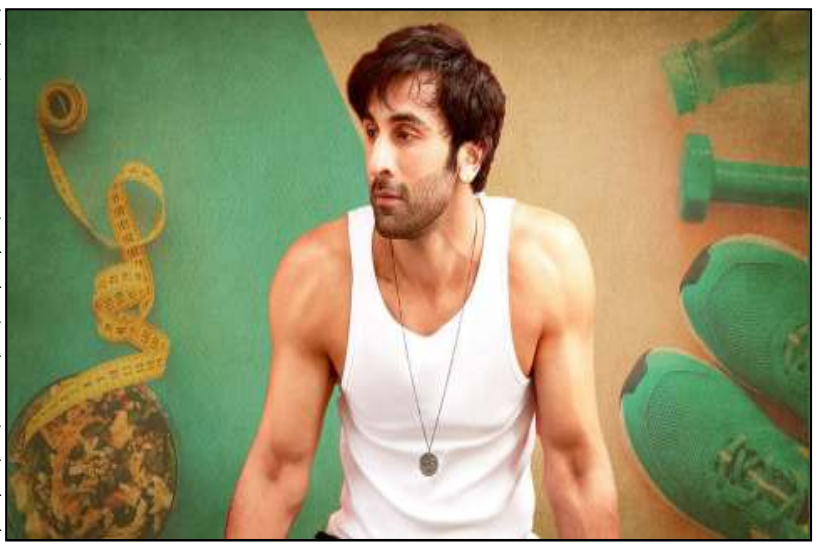

अभिनय ही नहीं, रणबीर की फिटनेस भी लोगों के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत है और इसका पूरा श्रेय उनकी डाइट और वर्कआउट रूटीन को जाता है।

अगर आप भी रणबीर की तरह एकदम फिट रहना चाहते हैं तो आइए आज अभिनेता के जन्मदिवस पर उनकी डाइट और वर्कआउट प्लान के बारे में विस्तार से जानते हैं।

एक्सरसाइज

रणबीर के वर्कआउट सेशन में शामिल होती हैं ये एक्सरसाइज रणबीर सेलिब्रिटी फिटनेस कोच शिवोहम उर्फ दीपेश भट्ट से फिटनेस ट्रेनिंग लेते हैं। एक इंटरव्यू में दीपेश भट्ट ने बताया कि रणबीर के वर्कआउट रूटीन में कई तरह की एक्सरसाइज मौजूद हैं। वह कार्डियो एक्सरसाइज, फंक्शनल ट्रेनिंग, वेट ट्रेनिंग, जर्मन वॉल्यूम ट्रेनिंग और बहुत सी एक्सरसाइज करते हैं। इसके अतिरिक्त, उनके वर्कआउट सेशन में स्क्वैट्स, डेडलिफ्ट्स, लंग्स और ओलंपिक फिट्स जैसी एक्सरसाइज भी शामिल होती हैं।

फिटनेस

अपनी फिटनेस के लिए रणबीर ने रखा है पर्सनल वर्कआउट ट्रेनरः रणबीर एक सख्त फिटनेस फ्रीक इंसान हैं। आप इस बात का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि जब वह अपने व्यस्त और अनियमित शूटिंग शेड्यूल के कारण जिम नहीं जा पाते हैं तो उस दौरान अपने पर्सनल वर्कआउट ट्रेनर प्रदीप भाटिया से वर्कआउट ट्रेनिंग ले लेते हैं। आमतौर पर प्रदीप अभिनेता के साथ उनकी शूटिंग लोकेशन पर जाते हैं ताकि एक भी दिन उनका वर्कआउट सेशन नहीं छूटे।

वर्कआउट

रणबीर का वर्कआउट रूटीनः जब रणबीर मुंबई में होते हैं तो वह हफ्ते के पांच दिन नियमित रूप से जिम जाकर लगभग एक घंटे तक एक्सरसाइज करते हैं। अभिनेता अपने वर्कआउट की शुरूआत कुछ वार्मअप एक्सरसाइज से करते हैं। इसके बाद वह 5–10 मिनट के लिए कार्डियो एक्सरसाइज करते हैं। इसके बाद रणबीर हफ्ते के अलग–अलग दिनों में शरीर के विभिन्न अंगों जैसे बाइसेप्स–ट्राइसेप्स, चेस्ट–बैक और शोल्डर–लेग्स पर केंद्रित एक्सरसाइज करते हैं।

डाइट

रणबीर की डाइटः रणबीर ब्रेकफास्ट में ब्राउन ब्रेड के साथ केला और ताजा जूस लेते हैं, जबकि उनके लंच में दाल, दो रोटी और नॉन–वेज खाना शामिल है। वह कभी–कभी लंच में दाल, रोटी, जैतून के तेल में बनी सब्जी और दही खाते हैं। स्नैक्स में अभिनेता ताजा जूस या ग्रीन टी पीते हैं, जबकि डिनर में ज्यादातर नॉन–वेज ही खाते हैं। वह मल्टी विटामिन और व्हे प्रोटीन शेक भी दिन में दो बार लेते हैं।

डार्क सर्कल से छुटकारा दिला सकता है बादाम का तेल, इन तरीकों से करें इस्तेमाल

अगर आंखों के नीचे काले घेरे यानी डार्क सर्कल हो जाएं तो पूरे चेहरे की रंगत चली जाती है।

ये काले घेरे तब होते हैं जब आंखों के नीचे की रक्त वाहिकाएं पतली हो जाती हैं या उन पर अधिक दबाव पड़ता है।

अगर आप इस समस्या से परेशान हैं तो बादाम का तेल इससे छुटकारा दिलाने में मदद कर सकता है। आइये जानते हैं कि इस समस्या से राहत पाने के लिए बादाम के तेल का इस्तेमाल कैसे करें।

शहद और बादाम के करें तेल का मिश्रण लगाएं

शहद त्वचा को हाइड्रेट करता है, जबकि बादाम के तेल में मौजूद स्किन लाइटनिंग प्रभाव धीरे–धीरे आंखों के नीचे पड़े काले घेरों से राहत दिलाने में सहायता प्रदान कर सकता है।

लाभ के लिए रात को सोने से पहले अपनी आंखों के नीचे शहद और बादाम के तेल की बराबर मात्रा को मिलाकर लगाएं। रोजाना रात को इस प्रक्रिया को दोहराने से आपको कुछ ही दिनों में फायदा देखने को मिलेगा।

बादाम के तेल के साथ गुलाब जल का इस्तेमाल

गुलाब जल में आवश्यक फैटी एसिड से भरपूर एंटी–इंफ्लेमेटरी प्रभाव होता है, जो आंखों के नीचे पड़ने वाले काले घेरे और सूजन को कम करने में मदद कर सकता है। ऐसे में बादाम के तेल में इसे मिलाना और भी लाभदायक हो सकता है। लाभ के लिए रूई के टुकड़े को गुलाब जल में डुबोकर आंखों के नीचे लगाएं और जब यह सूख जाए तो बादाम के तेल को लगाकर दो–तीन मिनट तक मसाज करें। तेल को रातभर लगा रहने दें।

बादाम के तेल में जैतून का तेल मिलाएं

जैतून का तेल ओलिक और लिनोलिक एसिड के साथ होता है और ये गुण बादाम के तेल में मौजूद गुणों के साथ मिलकर आंखों के नीचे पड़े काले घेरे दूर सकते हैं। लाभ के लिए एक कटोरी में बादाम के तेल और जैतून के तेल की बराबर मात्रा को मिलाकर हल्का गरम करें। अब इस मिश्रण को आंखों के नीचे लगाकर हल्के हाथ से मलें। तेल के मिश्रण को रात भर लगा रहने दें।

एलोवेरा और बादाम के तेल का आई मास्क बनाएं

एलोवेरा और बादाम के तेल से बना आई मास्क के इस्तेमाल से भी आंखों की नीचे पड़े काले घेरे दूर हो सकते हैं।

आई मास्क के लिए सबसे पहले एक कटोरी में आवश्यकतानुसार ताजा एलोवेरा जेल और बादाम के तेल को बराबर मात्रा में मिलाएं।

अब इस मिश्रण को अपनी आंखों के नीचे लगाएं और एक घंटे तक लगा रहने दें। इसके बाद आंखों को ठंडे पानी से धो लें।

विटामिन–E ऑयल और बादाम के तेल का मिश्रण लगाएं

विटामिन–E ऑयल और बादाम के तेल का मिश्रण भी आंखों के नीचे पड़े काले घेरों को धीरे–धीरे दूर करने के साथ कई लाभ प्रदान कर सकता है। राहत के लिए दोनों तेलों की बराबर मात्रा को मिलाकर आंखों के नीचे लगाएं और एक मिनट तक हल्के हाथों से मसाज करें। इसे रातभर लगा रहने दें। हर रात सोने से पहले इस प्रक्रिया को दोहराएं। इससे आपको जल्द ही राहत मिलेगी।

मॉर्निंग वॉक के बाद इन व्यंजनों का करें सेवन, आसान हैं इनकी रेसिपी

मॉर्निंग वॉक पर जाने से आप फिट और स्वस्थ रहते हैं, लेकिन

दौड़ने के ठीक बाद शरीर को प्रोटीन और कार्ब्स के संतुलित मिश्रण के साथ फिर से भरना महत्वपूर्ण है। ये पोषक तत्व मांसपेशियों को नुकसान से बचाने और आपको ऊर्जावान बनाए रखने में काफी मदद कर सकते हैं। आइये हम आपको पांच ऐसे व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिनका सेवन मॉर्निंग वॉक के बाद करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

फ्रूट योगर्टः सामग्रीः आधा कप ब्लूबेरी, आधा कप रसभरी, आध कप ग्रीक योगर्ट और एक चम्मच शहद।

रेसिपीः सबसे पहले एक कटोरे में ग्रीक योगर्ट और शहद को डालकर अच्छे से मिलाएं और फिर इसमें सारी बेरीज मिलाएं। अब एक कटोरी फ्रूट योगर्ट का सेवन करें और बाकि मिश्रण को अन्य लोगों को परोस दें।

ध्यान रखें कि इस फ्रूट योगर्ट को बनाते समय फ्रोजन बेरीज का इस्तेमाल नहीं करना है। इसके लिए हमेशा ताजी बेरीज समेत शुद्ध शहद ही लें।

उबले अंडे, एवोकाडो और शकरकंद का मिश्रण

सामग्रीः एक शकरकंद, एक एवोकाडो, दो अंडे, नमक और मिर्च।

रेसिपीः मध्यम आंच पर अंडे उबालें, फिर इन्हें छिलकर इन्हें बीच में से काटें। इसके बाद एवोकाडो और उबली शकरकंद को छीलकर काटें।

कितना सेवन करेंरू मॉर्निंग वॉक के बाद रोजाना आधा शकरकंद, एक या दो अंडे और एक चौथाई एवोकाडो के मिश्रण पर नमक और मिर्च छिड़ककर इसका सेवन करें।

नट बटर और बेरीज वाला ओपन सैंडविच

सामग्रीः व्हीट ब्रेड, आधा कप बेरीज जैसे ब्लूबेरी और स्ट्रॉबेरी, अखरोट का मक्खन।

रेसिपीः सबसे पहले एक ब्रेड की स्लाइस पर एक बड़ी चम्मच अखरोट का मक्खन फैलाकर लगाएं और फिर इसके ऊपर अपनी पसंदीदा बेरीज के टुकड़े रखें। बस फिर यह तैयार है।

कितना सेवन करेंरू ब्रेड के ज्यादा से ज्यादा दो स्लाइस, दो बड़ी चम्मच अखरोट का मक्खन और एक छोटी मुट्ठी बेरीज का सेवन करें।

बादाम के मक्खन वाले बनाना पैनकेक

सामग्रीः आधा पका हुआ केला, एक अंडा, आधा कप गेहूं का आटा, एक छोटी चम्मच बेकिंग पाउडर, एक चौथाई कप दूध, एक चुटकी नमक और डेढ़ बड़ी चम्मच बादाम का मक्खन।

रेसिपीः सबसे पहले एक कटोरे में सभी सामग्रियों को मिलाएं। इसके बाद एक फ्राइंग पैन को कुकिंग स्प्रे से चिकना करके इस पर मिश्रण की एक–दो करछी डालें, फिर इसे गोल्डन ब्राउन होने तक सेंके। इसी तरह पूरे मिश्रण से पैनकेक बनाकर इन पर मेपल सिरप डालें और खाएं।

स्प्राउट्स सलाद

सामग्रीः आधा कप मूंग स्प्राउट्स, आधा कप उबले चने, आधा खीरा (कटा हुआ), थोड़े पालक के पत्ते, आधे नींबू का रस, नमक (स्वादानुसार), आधी छोटी चम्मच जीरा पाउडर, एक चौथाई छोटी चम्मच काली मिर्च का पाउडर।

रेसिपीरू सबसे पहले अंकुरित साबुत मूंग को स्टीम करके एक कटोरे में डालें, फिर इसमें चने, खीरा, पालक, जीरा पाउडर, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं। अंत में स्प्राउट्स सलाद में भुनी हुई मूंगफली डालकर इसे खाएं।

शनिदेव की हमेशा बरसेगी कृपा, बस मुख्य द्वार पर लगाएं यह पौधा

हिन्दू धर्म में शनिदेव एक बेहद ही महत्वपूर्ण देवता माने गए हैं। भगवान सूर्य तथा छाया के पुत्र शनिदेव को न्याय के देवता के रूप में पूजा जाता है। ऐसा कहा जाता है कि कलियुग में भी वह निष्पक्ष से रूप से न्याय करते हैं। अगर उनकी कृपा किसी व्यक्ति पर हो तो व्यक्ति को कम समय में बड़ी सफलता मिलती है। वहीं, अगर वह किसी पर कुपित हो जाते हैं तो व्यक्ति का सर्वनाश होते भी देर नहीं लगती। इसलिए, लोग हमेशा यह कोशिश करते हैं कि शनि देव उनसे हमेशा प्रसन्न रहें। अगर आप भी ऐसा ही चाहते हैं तो अपने घर के बाहर शमी के पौधे को लगाएं। इसे शनिदेव का प्रिय पौधा माना गया है। तो चलिए जानते हैं किस तरह लगाएं शमी का पौधा– घर में ना लगाएं शमी का पौधाः कुछ लोग शनि देव की कृपा पाने के लिए घर के अंदर ही शमी का पौधा लगाते हैं। लेकिन इसे घर के अंदर लगाने के स्थान पर इसे आंगन में या फिर मुख्य द्वार पर इस तरह लगाएं कि जब भी आप घर से बाहर निकलें तो यह आपके दाहिने तरफ हो। कभी भी अंधेरे स्थान में इसे नहीं रखना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि अगर घर में आते समय या घर से बाहर जाते समय व्यक्ति की आंखों के सामने यह पौधा होता है तो व्यक्ति के काम आसानी से बन जाते हैं और आने वाली अड़चनें दूर होती हैं। धार्मिक रूप से भी है महत्वपूर्णः शमी का पौधा ना केवल शनिदेव को प्रिय है, बल्कि इसका अपना एक धार्मिक महत्व भी है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब प्रभु श्रीराम ने सीताजी को छुड़वाने के लिए लंका पर आक्रमण किया था, तो उससे पहले उन्होंने शमी के पौधे की ही पूजा की थी। महाभारत काल में भी इसका वर्णन मिलता है। ऐसा कहा जाता है कि जब पांडव अज्ञातवास में थे, तब उन्होंने अपने अस्त्र–शस्त्र इसी वृक्ष के नीचे छिपाए थे। शनिदेव के गुरू शिवजी का भी है प्रियः यह तो हम सभी जानते हैं कि देव आदिदेव महादेव को बेलपत्र बेहद ही प्रिय है। लेकिन इसके अलावा, शंकर भगवान को शमी का पौधा भी उतना ही पसंद है। इतना ही नहीं, शिवजी को शनि अपना गुरु मानते हैं। ऐसे में अगर व्यक्ति शमी का पौधा लगाता है, तो उसे शनिदेव और शिव भगवान दोनों की कृपा मिलती है। ना करें यह गलतियां जब आप घर में शमी का पौधा लगा रहे हैं तो आपको कुछ गलतियों से बचना चाहिए। मसलन– – शमी के पौधे को किसी भी दिन घर में ना लगाएं। इसे शनिवार के दिन या विजयदशमी के दिन लगाना सबसे अच्छा माना जाता है। – कभी भी इसे घर के अंदर बंद जगह पर ना लगाएं। आप इसे आंगन में लगा सकते हैं या फिर छत पर रख सकते हैं। इसके अलावा, मुख्य द्वार के बाहर भी इसे रखा जा सकता है। – अगर आपने शमी का पौधा लगाया है तो उसे ऐसे ही छोड़ देने की गलती ना करें, अन्यथा शनिदेव कुपित हो जाते हैं। इसकी सही तरह से देख–रेख करें। साथ ही, हर शनिवार को शमी के पौधे के नीचे दीपक जलाएं। – चूंकि भगवान शिव को भी शमी का पौधा प्रिय है, इसलिए शिव भगवान की पूजा करते हुए इस पौधों के पत्ते चढ़ाएं।

मां दुर्गा की पूजा को समर्पित है दुर्गाष्टमी

दुर्गाष्टमी का हिंदू धर्म में बड़ा ही महत्त्व है। प्रत्येक माह में शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर दुर्गाष्टमी व्रत किया जाता है, इसे मासिक दुर्गाष्टमी भी कहते हैं। इस दौरान श्रद्धालु दुर्गा माता की पूजा करते हैं और उनके लिए पूरे दिन का व्रत करते हैं। मुख्य दुर्गाष्टमी, जिसे महाष्टमी कहा जाता है, आश्विन माह में नौ दिन के शारदीय नवरात्र उत्सव के दौरान पड़ती है। दुर्गाष्टमी को दुर्गा अष्टमी और मासिक दुर्गाष्टमी को मास दुर्गाष्टमी के नाम से भी जाना जाता है। भगवती दुर्गा को उबाले हुए चने, हलवा–पूरी, खीर, पुए आदि का भोग लगाया जाता है। इस दिन देवी दुर्गा की मूर्ति का मंत्रों से विधिपूर्वक पूजन किया जाता है। बहुत–से व्यक्ति इस महाशक्ति को प्रसन्न करने के लिए हवन आदि भी करते हैं। शक्तिपीठों में इस दिन बहुत उत्सव मनाया जाता है।

महत्त्व

चौत्र शुक्ल अष्टमी का अत्यंत विशिष्ट महत्त्व है। चौत्र शुक्ल प्रतिपदा को नवरात्र पूजा का जो आयोजन प्रारंभ होता है, वह आज ही के दिन या दूसरे दिन नवमी को पूर्णता प्राप्त करता है। इसी तरह शारदीय नवरात्र की अष्टमी का भी बहुत महत्त्व है। आज के दिन ही आदिशक्ति भवानी का प्रादुर्भाव हुआ था। भगवती भवानी अजेय शक्तिशालिनी महानतम शक्ति हैं और यही कारण है कि इस अष्टमी को महाष्टमी कहा जाता है। महाष्टमी को भगवती के भक्त उनके दुर्गा, काली, भवानी, जगदंबा, नवदुर्गा आदि रूपों की पूजा–आराधना करते हैं। प्रतिमा को शुद्ध जल से स्नान कराकर वस्त्राभूषणों द्वारा पूर्ण शृंगार किया जाता है और फिर विधिपूर्वक आराधना की जाती है। हवन की अग्नि जलाकर धूप, कपूर, घी, गुग्गुल और हवन सामग्री की आहुतियां दी जाती हैं।

सिंदूर में एक जायफल को लपेटकर आहुति देने का भी विधान है। धूप, दीप, नैवेद्य से देवी की पूजा करने के बाद मातेश्वरी की जय बोलते हुए 101 परिक्रमाएं दी जाती हैं। कुछ क्षेत्रों में गोबर से पार्वती जी की प्रतिमा बनाकर पूजने का विधान भी है। वहीं इस दिन कुमारियां तथा सुहागिनें पार्वती जी की गोबर निर्मित प्रतिमा का पूजन करती हैं। नवरात्रों के पश्चात इसी दिन दुर्गा का विसर्जन किया जाता है। इस पर्व पर नवमी को प्रातरू काल देवी का पूजन किया जाता है। अनेक पकवानों से दुर्गा जी को भोग लगाया जाता है। छोटे बालक–बालिकाओं की पूजा करके उन्हें पूड़ी, हलवा, चने और भेंट दी जाती है।